संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -219 सोमवार,10 जून 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार ली प्रधानमंत्री पद की शपथ

नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी की

मोदी 3.0 के कैबिनेट मंत्री

राजनाथ और अमित शाह ने ली मंत्री पद की शपथ

मोदी के पीएम पद की शपथ लेने के बाद राजाथ सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली। उनके बाद अमित शाह को शपथ लेने के लिए बुलाया गया. उन्होंने भारत के संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारियों और पद की गोपनीयता की शपथ ली।

नितिन गडकरी और नड्डा ने ली शपथ

बीजेपी के दिग्गज नेता रहे नितिन गडकरी और पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंत्री पद की शपथ ली। पार्टी अध्यक्ष के रूप में नड्डा का कार्यकाल इसी महीने के अंत तक है। ऐसे में उनके स्थान पर किसी नए नेता को पार्टी बनाया जा सकता है।

शिवराज और सातवें पर निर्मला सीतारमण ने ली शपथ

मोदी सरकार के शपथ ग्रहण में एमपी के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने छठे नंबर पर हिंदी में शपथ ली. वहीं निर्मला सीतारमण ने सातवें नंबर पर अंग्रेजी में शपथ ली।

जयशंकर ने आठवें नंबर पर अंग्रेजी में ली शपथ

निवर्तमान विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर ने अंग्रेजी में पद और गोपनीयता की शपथ ली. उनके आने पर पब्लिक ने जोरदार तालियां बजाकर उनका अभिवादन किया।

हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहरलाल खट्टर और एचडी कुमारस्वामी ने ली पद की शपथ

हरियाणा के पूर्व सीएम रहे मनोहरलाल खट्टर ने नौवें और कर्नाटक के पूर्व सीएम रहे एचडी कुमारस्वामी ने दसवें नंबर पर मंत्री पद की शपथ ली। कुमारस्वामी अपनी पारिवारिक पार्टी जेडीएस के नेता हैं. उनकी पार्टी ने बीजेपी के साथ मिलकर कर्नाटक में चुनाव लड़ा था।

किरेन रिजिजू और हरदीप सिंह पुरी ने ली मंत्री पद की शपथ

अरुणाचल पश्चिम सीट से बीजेपी सांसद किरेन रिजिजू ने एक बार फिर मंत्री पद की शपथ ली. वे पहली बार 2004 में सांसद चुने गए थे। उनके बाद आईएफएस से नेता बने हरदीप सिंह पुरी ने मंत्री पद की शपथ ली।. वे पार्टी के राज्यसभा सांसद हैं। रिजिजू ने हिंदी और पुरी ने इंग्लिश में पद की शपथ ली।

» तीसरी बार बन गई मोदी सरकार

नई दिल्ली,09 जून 2024 (ए)। नरेंद्र दामोदर दास मोदी... नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रच दिया। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार भारत के पीएम पद की शपथ ली. राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति के नियुक्ति पत्र पर साइन किए। इसके साथ ही वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता और जवाहरलाल नेहरू के बाद दूसरे ऐसे नेता बन गए हैं। बहुत कम ही लोगों ने सोचा होगा कि भाजपा का कोई नेता यह उपलब्धि हासिल कर सकेगा। मोदी को तीसरे कार्यकाल में जनादेश पूर्व के दो कार्यकालों की तरह नहीं मिला है। इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने में विफल रही। चुनाव से पूर्व भाजपा ने चार सौ पार का नारा दिया था लेकिन वह अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ तीन सौ के आंकड़े को भी पार नहीं कर सकी। इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और 'इंडिया गठबंधन ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया और उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान सहित कई हिन्दी पट्टी के क्षेत्रों में भाजपा के रथ को रोकने में सफलता हासिल की। यही कारण रहा कि नतीजों के बाद विपक्षी दलों ने चुनाव परिणामों को मोदी की 'नैतिक हार% करार दिया। कांग्रेस को इस चुनाव में 99 सीटों पर सफलता मिली। बहरहाल, यह भाजपा की विशाल राजनीतिक उपस्थिति का ही परिणाम है कि लगातार तीसरे लोकसभा चुनाव में उसने 240 सीटें हासिल कर सबसे बड़े दल का तमगा हासिल किया। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 293 सीटें जीती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे किसी भी चुनाव-पूर्व गठबंधन की सबसे बड़ी सफलता करार दिया है। चुनावों से मिली चुनौतियों के बावजूद, आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति 73 वर्षीय मोदी के इर्द-गिर्द ही घूमने वाली है। हालांकि, इस दौरान उन्हें गठबंधन की राजनीति के विभिन्न पहलुओं का सामना करना पड़ेगा। गोधरा ट्रेन अग्निकांड के बाद राज्य में हुए दंगों के साये में 2002 में गुजरात विधानसभा चुनावों में पहली बार भाजपा का नेतृत्व करने के बाद से मोदी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। हालांकि उनके विरोधियों ने 2002 में उन्हें राजनीतिक रूप से खारिज कर दिया था, लेकिन वह अपनी पार्टी के लिए हिंदुत्व और विकास का विजयी मिश्रण बनकर ताकत के साथ उभरते चले गए। मोदी ने 2002, 2007 और 2012 में गुजरात में पार्टी का नेतृत्व किया और सत्ता में पहुंचाया और इसके बाद 2014 और 2019 में केंद्र में अपनी पार्टी को जीत दिलाने और सत्ता तक पहुंचाने में सबसे अहम भूमिका निभाई। हालांकि इस बार भाजपा की जीत सबसे अलग है क्योंकि वह अपने दम पर बहुमत लाने में विफल रही। साल 2014 में पहली बार पदभार संभालने के बाद मोदी को पहली बार इस दफे एक मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ा है।

गुना से सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया और भूपेंद्र यादव भी बने मंत्री, ली पद की शपथ

कांग्रेस से बीजेपी में आने के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया की किस्मत लगातार सुनहरी बनी हुई है. वे मोदी सरकार 3.0 में भी मंत्री बने हैं. वे मध्य प्रदेश की गुना सीट से चुनाव जीतकर आए हैं. वे लगातार दूसरी बार मोदी सरकार में मंत्री बन रहे हैं. उनके बाद अलवर से बीजेपी सांसद भूपेंद्र यादव ने हिंदी में मंत्री पद की शपथ ली. वे लगातार दूसरी बार मोदी सरकार में मंत्री बन रहे हैं.

अर्जुन राम मेघवाल और प्रताप राव जाधव बने राज्य मंत्री

अर्जुन मेघवाल एक बार फिर मोदी सरकार में मंत्री बन गए हैं. उन्होंने 2019 में बीकानेर से पहली बार सांसद का चुनाव जीता था. इसके बाद वे 2016 से लेकर अब तक मोदी सरकार में लगातार मंत्री बने हुए हैं. उनके बाद महाराष्ट्र के बुलढाणा से शिवसेना सांसद प्रताप राव जाधव ने राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार की शपथ ली. वे पहली बार केंद्र में मंत्री बने हैं.

राव इंद्रजीत एवं जितेंद्र सिंह ने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार की ली शपथ

गुरुग्राम से बीजेपी सांसद राव इंद्रजीत सिंह ने मोदी सरकार में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार की शपथ ली. उन्होंने इन चुनाव में कांग्रेस के हैवीवेट नेता राजबब्बर को हराया था। उनके बाद ऊधमपुर से सांसद बने जितेंद्र सिंह ने राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार की शपथ ली. वे पीएम मोदी के भरोसेमंद माने जाते हैं.

जयंत चौधरी और जितिन प्रसाद भी मोदी सरकार में बने मंत्री

आरएलडी सांसद और राज्यसभा सांसद जयंत चौधरी भी बतौर मंत्री मोदी सरकार में शामिल हो गए हैं. उन्हें सरकार में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया है. वे किसान नेता रहे चौधरी चरण सिंह पोते हैं. चरण सिंह को मोदी सरकार ने हाल में भारत रत्न दिया था. उनके बाद पीलीभीत से बीजेपी सांसद जितिन प्रसाद ने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार की शपथ ली. वे पहले कांग्रेसी नेता थे और राहुल गांधी की यंग बिग्रेड में शामिल थे लेकिन बाद में वे बीजेपी में शामिल हो गए.

काली अचकन में आए पीयूष गोयल ने 11 नंबर पर ली शपथ

काली अचकन में आए बीजेपी के कोषाध्यक्ष पीयूष गोयल ने 11वें नंबर पर मंत्री पद की शपथ ली. वे पार्टी के पूर्व कोषाध्यक्ष रहे वेद प्रकाश गोयल के पुत्र हैं और मुंबई से लोकसभा चुनाव जीतकर आए हैं.

काली अचकन में आए चिराग पासवान भी बने मोदी के मंत्री

काली अचकन पहनकर आए एलजेपी नेता चिराग पासवान भी पहली बार मोदी सरकार में मंत्री बन गए हैं. उन्होंने हिंदी में मंत्री पद की शपथ ली और उसके बाद पीएम मोदी समेत मंच पर बैठे नेताओं का आभार जताया. उनके बाद गुजरात के नवसारी से सांसद बने सीआर पाटिल ने मंत्री पद की शपथ ली.

मोदी 3.0 के कैबिनेट मंत्री

मनसुख मांडविया तीसरी और जी किशन रेड्डी दूसरी बार बने मंत्री

गुजरात की पोरबंदर सीट से सांसद मनसुख मांडविया भी लगातार तीसरी बार मोदी सरकार में मंत्री बन गए हैं। उन्होंने हिंदी में पद और गोपनीयता की शपथ ली. तेलंगाना की सिकंद्राबाद सीट से बीजेपी सांसद जी किशन रेड्डी भी मोदी सरकार में मंत्री बन गए हैं। वे पिछली सरकार में भी मंत्री थे।. उन्होंने भी हिंदी में पद और गोपनीयता की शपथ ली।

धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिया जैकेट में ली पद की शपथ,जीतन मांझी का भी आया नंबर

निवर्तमान शिक्षा मंत्री रहे बीजेपी नेता धर्मेंद्र प्रधान एक बार फिर मोदी कैबिनेट में मंत्री बन गए हैं। ओडिया जैकेट पहनकर आए धर्मेंद्र प्रधान ने वरीयता क्रम में 12 नंबर पर पद और गोपनीयता की शपथ ली। उनके बाद बिहार की हिंदुस्तान अवाम मोर्चा के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने मंत्री पद की शपथ ली।

गिरिराज सिंह का चमकता भाग्य, लगातार तीसरी बार बने मंत्री

गिरिराज सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली. वे बिहार की भूमिहार जाति से आते हैं मोदी सरकार में लगातार तीसरी बार मंत्री बने हैं. वे बेगूसराय से बीजेपी सांसद हैं. उनके बाद अश्विनी वैष्णव ने मंत्री पद की शपथ ली. आईएएस से रिटायरमेंट के बाद मोदी उन्हें 2019 में राजनीति में लाए. उन्हें इस साल फिर से राज्यसभा सांसद बनाया गया है.

प्रह्लाद जोशी तीसरी बार केंद्र में बने मंत्री, ली पद की शपथ

कर्नाटक बीजेपी के वरिष्ठ नेता प्रह्लाद जोशी तीसरी बार केंद्र सरकार में मंत्री बने हैं. वे नरेंद्र मोदी के करीबी माने जाते हैं. उनके बाद जुएल उरांव ने मंत्री पद की शपथ ली. वे तीन बार ओडिशा में बीजेपी अध्यक्ष रहे हैं.

राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने ली मंत्री पद की शपथ, जेडीयू से है नाता

जेडीयू के पूर्व राष्टीय अध्यक्ष रहे राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने 14वें नंबर पर मंत्री पद की शपथ ली। वे शिष्टाचार का लिहाज करते हुए पीएम मोदी के सामने से आने के बजाय उनके पीछे से गुजरे।. उनके बाद बीजेपी नेता और असम के पूर्व सीएम रहे सर्बानंद सोनोवाल ने मंत्री पद की शपथ ली।

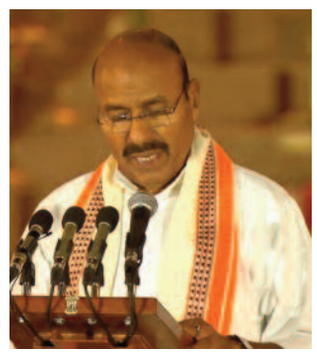

एमपी से बीजेपी सांसद बीरेंद्र कुमार खटीक ने ली मंत्री पद की शपथ

एमपी से बीजेपी के वरिष्ठ नेता बीरेंद्र कुमार खटीक ने मंत्री पद की शपथ ली. उनके बाद टीडीपी नेता राम मोहन नायडू ने मंत्री पद की शपथ ली. वे आंध्र प्रदेश की श्रीकाकुलम सीट से लोकसभा सांसद बने हैं.

कैबिनेट मंत्री का पद नहीं मिलने से एनसीपी नाराज

» अजित पवार बोले-शिंदे की तरह हमें भी मिलना चाहिए

नई दिल्ली,09 जून 2024 (ए)। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल रविवार से शुरू होगा।. मोदी सरकार 3.0 का शपथ ग्रहण समारोह शाम को हुआ. कैबिनेट विस्तार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी दलों को शामिल किया गया है, लेकिन अजित पवार की पार्टी एनसीपी से किसी को फोन नहीं आया है. अभी तक किसी का नाम सामने नहीं आया है. वजह सामने आई है कि प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे मंत्री पद को लेकर आपस में भिड़ गए हैं.। बीजेपी आलाकमान ने उनसे कहा है कि पहले अपनी पार्टी में इस बात को लेकर जो नाराजगी है उसे दूर करें. दूसरी ओर, अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि उनकी पार्टी को राज्य मंत्री का पद दिया जा रहा था, लेकिन वे लोग कैबिनेट मंत्री मांग रहे थे. वे लोग कैबिनेट मंत्री के पद के लिए इंतजार करने के लिए तैयार हैं और शपथ ग्रहण समारोह में गए।

एनसीपी से दो लोग सांसद हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल राज्यसभा में सांसद हैं, जबकि सुनील तटकरे लोकसभा से चुने गए हैं। सूत्रों ने बताया कि इन दोनों नेताओं ने मंत्री पद के लिए एक-दूसरे पर दावा ठोका है। लेकिन दोनों में से कौन मंत्री होगा? इस संबंध में आम सहमति नहीं बन सकी। सूत्रों ने बताया कि इसी वजह से एनसीपी ने कॉल का जवाब नहीं दिया।

पूर्व आईएएस वीकेपांडियन ने राजनीति को कहा बाय-बाय

भुवनेश्वर,,09 जून 2024 (ए)। ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजेडी) की करारी हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के उत्तराधिकारी माने जा रहे पूर्व नौकरशाह वीके पांडियन ने राजनीति छोड़ने का ऐलान कर दिया है।वीके पांडियन ने एक वीडियो संदेश में कहा कि राजनीति में आने का उनका मकसद केवल पटनायक की सहायता करना था। हालांकि, अब वे सक्रिय राजनीति से अलग हो रहे हैं। पांडियन ने कहा कि अगर उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा के दौरान किसी को ठेस पहुंचाई हो तो मुझे खेद है। उन्होंने आगे कहा कि अगर उनके खिलाफ चले अभियान के कारण बीजू जनता दल को हार का सामना करना पड़ा है तो उन्हें खेद है। पांडियन ने कहा कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं समेत पूरे बीजद परिवार से माफी मांगते हैं।

संपादकीय

आवेग व प्रतिरोध

फिल्म अभिनेत्री से नेता बनी कंगना रानावत को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर महिला कांस्टेबल ने थप्पड़ मार दिया। सीआईएसएफ की यह कांस्टेबल कुलविंदर कौर दो साल से यहां तैनात है।कौर को फौरन गिरफ्तार कर सस्पेंड कर दिया गया। कंगना मंडी से भाजपा की सांसद चुनी गई हैं। वह संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लेने दिल्ली आ रही थीं। सांसद द्वारा जारी वीडियो में कहा थप्पड़ मारने वाली किसान आंदोलन की समर्थक थी।उसने सामने से चेहरे पर मारा और अपशब्द कहने लगी, जबकि फौरन कपूरथला की कौर का वीडियो भी सोशल मीडिया में आया, जिसमें वह कंगना पर आरोप लगा रही है कि उन्होंने सौ-सौ रुपए लेकर किसान आंदोलन में महिलाओं के बैठने की बात की थी, जिसमें कौर की मां भी शामिल थी।कंगना अपने वीडियो में पंजाब में आतंकवाद व उग्रवाद बढ़ रहा है, उसे हम कैसे हैंडल करेंगे, भी कह रही हैं। जिस पर अलग विवाद हो गया। सुरक्षाकर्मी का यह बर्ताव बेहद निंदनीय व दुर्भाग्यपूर्ण है। आंदोलन करना या उसके खिलाफ बयान देना, निजी मसला है, जिसका संवैधानिक तरीके से विरोध किया जाना चाहिए, परंतु जिस तरह का आवेग व प्रतिरोध के कौर ने जनप्रतिनिधि के प्रति दर्शाया, वह घोर निंदनीय है। साथ ही सुरक्षाबलों पर संदेह उपजाने वाला साबित हो सकता है।गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा लाए कृषि कानूनों को लेकर 2020-2021 के दरम्यान किसानों ने धरना-प्रदर्शन किया था। उस वक्त भी कंगना ने अपने ट्वीट पर विवाद होते ही, उसे डिलिट कर दिया था। मगर कौर के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने एकबार फिर समूचे पंजाब को आतंकवाद व उग्रवाद की तरफ बढ़ता बता कर, जल्दबाजी दिखा दी। यह सांप्रदायिक विभाजन की लकीर खींचने सरीखा है।देश के तमाम लोग सुरक्षाकर्मी के पक्ष में भी आ खड़े हुए। उन्होंने सोशल मीडिया में किसानों, पंजाबवासियों व आंदोलनकारियों की पक्षधरता में कोई संकोच नहीं किया। चूंकि अब कंगना मात्र फिल्मकार नहीं हैं, उन्हें जनता ने चुन कर संसद तक पहुंचाया है। इसलिए उनका हर बयान गंभीर व तथ्यपरक होना चाहिए। उनके साथ जो अभद्रता हुई, वह गलत है मगर समुदाय विशेष, राज्य या जाति पर बंटवारा करके उसे गलत ठहराना उचित नहीं कहा जा सकता। जांच चालू है, शीघ्र ही उचित कार्रवाई का नतीजा सबके सामने होगा।

वीर शिरोमणि शूरवीर महाराणा प्रताप

-डॉ. राजेश कुमार शर्मा
पुरोहित
भवानीमंडी
झालावाड़
राजस्थान

वीर प्रसूता धरती राजस्थान के शूरवीर महाराणा प्रताप ने अपनी मातृभूमि की स्वाधीनता के लिए पूरा जीवन बलिदान के इतिहास में अपना नाम अंकित करा दिया था। एक सच्चे राजपूत, शूरवीर, देशभक्त ,योद्धा, मातृभूमि का रखवाला प्रताप अमर हो गया।

महाराणा प्रताप सिंह सिसोदिया का जन्म ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया रविवार विक्रम संवत 1527 यानि 9 जून 1540 को हुआ था। उदयपुर मेवाड़ में सिसोदिया राजपूत राजवंश के राजा थे। प्रताप का नाम इतिहास में वीरता और दृढ़ प्रण के लिए अमर है।

उन्होंने बादशाह अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की। कई वर्षों तक संघर्ष किया। महाराणा प्रताप ने मुगलों को कई बार युद्ध मे परास्त किया।

महाराणा प्रताप के कई रानियां थी लेकिन उनमें से सबसे खूबसूरत रानियों में से एक महारानी अजबदे पंवार थी।पंवार के पिता का नाम माम्रक सिंह तथा माता का नाम हंसा बाई था।अजबदे का विवाह जब हुआ तब उनकी उम्र मात्र पंद्रह वर्ष थी।महाराणा प्रताप के परिवार में 13 भाई 20 बहिने 14 पत्नियां 17 बेटे और 5 बेटियां थी।

महाराणा प्रताप के कुल देवता एकलिंग महादेव हैं। एकलिंग जी का मेवाड़ के इतिहास में बहुत महत्व है। एकलिंग जी का भव्य मंदिर उदयपुर में स्थित है।मेवाड़ के संस्थापक बप्पा रावल ने इस मंदिर का निर्माण 8 वीं शताब्दी में करवाया था।और एकलिंग जी की मूर्ति प्रतिष्ठापन करवाई थी।

उनका जन्म वर्तमान राजस्थान के कुम्भलगढ़ दुर्ग पाली राजथान में हुआ था। इनके पिता उदय सिंह व मत राणी जयवंत कँवर थी। राजपूत समाज का वीर योद्धा के नाम से प्रसिद्ध हुए।

महाराणा प्रताप का प्रथम राज्याभिषेक 28 फरवरी 1572 को गोगुन्दा में हुआ था। लेकिन विधि विधान स्वरूप राणा प्रताप का द्वितीय राज्याभिषेक 1572 में कुम्भलगढ़ दुर्ग में ही हुआ।इस राज्याभिषेक में जोधपुर के राठौड़ शासक राव चन्द्रसेन भी शामिल हुए।

मुगल सम्राट अकबर बिना युद्ध के प्रताप को अपने अधीन लाना चाह रहा था। इसलिए अकबर ने प्रताप को समझाने के लिए चार राजदूत नियुक्त किये थे इन चारों के नाम थे जलाल खां, मानसिंह,भगवानदास, राजा टोडरमल,। ये चारों प्रताप को समझाने गए परन्तु निराश होकर इनको लौटना पड़ा। इस तरह 1572 से 1573 तक समझाने का क्रम जारी रखा। लेकिन जब प्रताप ने अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं कि तब हल्दीघाटी का ऐतिहासिक युद्ध शुरू हुआ।

यह युद्ध 18 जून 1576 को मेवाड़ तथा मुगलों के मध्य हुआ।इस युद्ध मे प्रताप की तरफ से एकमात्र मुस्लिम सरदार हकीम खां सूरी युद्ध लड़ा था।1576 में हल्दीघाटी के महासंग्राम में 500 भील लोगो को साथ लेकर महाराणा प्रताप ने आमेर के सरदार राजा मानसिह के 80, 000 की विशाल सेना का सामना किया। इस युद्ध मे भील सरदार राणा पुंजा का योगदान प्रशंसनीय रहा।जब प्रताप शत्रु सेना से पूर्ण रूपेण घिर चुके थे तब राजा मान सिंह ने अपने प्राण देकर उन्हें बचाया था। और महाराणा को युद्धभूमि छोड़ने के लिए

बोला था। शक्ति सिंह ने अपना अश्व देकर प्रताप को बचाया। प्रिय अश्व चेतक की मृत्यु हो गई थी। इस एक दिन के युद्ध मे 17,000 लोग मारे गए। दिल्ली के बादशाह अकबर ने मेवाड़ फतह करने के लिए भरसक प्रयास किये। महाराणा प्रताप की हालात दिन प्रतिदिन चिंताजनक होती गई। 25000 सैनिकों के 12 सालों तक गुजारे के लिए उन्हें भामाशाह ने मदद की।

महाराणा प्रताप के दो पुत्र थे अमर सिंह व भगवान दास। जब महाराणा प्रताप जंगल मे रहते थे तब जंगल मे एक दिन वन बिलाव आया और पुत्र अमरसिंह से घांस की रोटी छीनकर ले गया। अमरसिंह तब छोटा बच्चा था।

÷अरे घांस री रोटी ही जब बन बिलावड़ो ले भाग्यो। नान्हा सो अमर्यो चीख पड्यो सूती सी हूण जगावन में।÷

महाराणा प्रताप ने सुंगा पहाड़ पर एक बावड़ी का निर्माण कराया। सुन्दर बगीचा लगवाया। महाराणा की सेना में एक राजा तीन राव सात रावत 15000 अश्वरोही 100 हाथी 20000 पैदल 100 वाजित्र थे। इतनी बड़ी सेना के लिए प्रतिदिन खाद्यान की व्यवस्था प्रताप स्वयं करते थे। फिर ऐसी घटना घटी प्रताप को घांस की रोटी खानी पड़ी। अपने जीवन के अंतिम 12 सालों में प्रताप ने मेवाड़ को सुशासन दिया।

प्रताप ने दिवेर का युद्ध 1582 मे किया था। प्रताप ने खोये हुए राज्यों की पुनः प्राप्ति की ।इसे मेवाड़ का मैराथन कहा गया।

1579 से 1585 तक उत्तरप्रदेश बंगाल बिहार गुजरात के प्रदेशो में विद्रोह हुआ प्रताप ने एक के बाद एक कई गढ़ जीते। 1585 में मेवाड़ मुक्ति के प्रयास तेज किये गए। उदयपुर सहित 36 महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रताप ने अधिकार जमा लिया। महाराणा प्रताप ने जब सिंहासन ग्रहण किया। उस समय जितने मेवाड़ की भूमि पर उनका अधिकार था। पूर्ण रूप से उतने ही भूमि भाग पर अब उनकी सत्ता फिर से स्थापित हो गई थी। इस प्रकार 1585 में मुगलों के ग्रहण का मेवाड़ में हमेशा के लिए अंत हो गया। प्रताप फिर से उनके राज्य की सुख सुविधा के काम मे लग गए ।

महाराणा प्रताप के डर से बादशाह अकबर अपनी राजधानी लाहौर लेकर चला गया था। और प्रताप के स्वर्ग सिधारने के बाद आगरा ले आया।

अकबर व प्रताप की लड़ाई सिद्धांतो और मूल्यों की लड़ाई थी। अकबर क्रूरता से साम्राज्य का विस्तार करना चाहता था और प्रताप देशभक्ति मातृभूमि की स्वधीनता के लिए संघर्ष कर रहे थे। अकबर भी ह्रदय से प्रताप का बड़ा प्रशंसक था। वह जानता था कि इस धरती पर प्रताप जैसा कोई वीर नहीं है। उसकी आँखों से आंसू आ गए थे जब प्रताप के स्वर्गवास की खबर सुनी। वह लाहौर में था।

आज भी यह गाथा है कि ÷माई एहड़ा पूत जण जेहड़ा राणा प्रताप। अकबर सुतो ओधके ,जाण सिराणे सांप÷

आज प्रताप की जीवनी से सीख लेकर परिश्रम व लगन से सफ़लता हांसिल की जा सकती है। विपत्ति में धैर्य से काम लेकर व्यक्ति को मातृभूमि की रक्षा के लिए संघर्ष करते रहना चाहिए।

महाराणा प्रताप के जीवन से हमें शौर्य वीरता स्वाभिमान त्याग पराक्रम दृढ़ प्रण जैसे जीवन मूल्य सीखने के लिए मिलते हैं।महाराणा प्रताप के जीवन से हमें शिक्षा मिलती है कि अपने व अपने परिवार के साथ जो अपने राष्ट्र के बारे में भी सोचते हैं वही सच्चे नागरिक हैं।तब तक परिश्रम करो जब तक तुम्हें तुम्हारी मंजिल न मिल जाए। अन्याय व अधर्म आदि का विनाश करना पूरी मानव जाति का कर्तव्य है। जो अत्यंत विकट परिस्थिति में भी हार नहीं मानते वो हार कर भी जीत जाते हैं।

मनुष्य का गौरव व आत्म सम्मान सबसे बड़ी कमाई होती है इसलिए उसकी सदैव रक्षा करनी चाहिए।शासक का पहला कर्तव्य अपने राज्य का गौरव और सम्मान बचाए रखना होता है।

शिक्षा और कौशल विकास

मौजूदा समय में शिक्षा और कौशल विकास के बीच तालमेल नहीं दिख रहा है। शिक्षा के माध्यम से कौशल का विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है।हमारे अकादमिक कल-कारखानों से लाखों की संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, एमबीए आदि की भारी-भरकम डिग्रियां लेकर युवा निकल रहे हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश कौशलयुक्त एवं ज्ञानवान नहीं हैं। ऐसे लोग किसी भी कार्य को कुशलतापूर्वक अंजाम तक नहीं पहुंचा पाते, लेकिन होनहार के लिए रोजगार की कमी नहीं है।तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान रखने वाले, भले ही डिग्री एवं अंग्रेजी के मामले में पीछे होते हैं, लेकिन वे हर किस्म की मुश्किलों को आसानी से सुलझा सकते हैं क्योंकि किसी कार्य को करने के लिए डिग्री से ज्यादा कौशल की जरूरत होती है। कौशल को विकसित करके युवा बिना किसी डिग्री के भी हर कार्य कुशलतापूर्वक कर सकते हैं। हमारे देश के स्कूल और कॉलेज के अध्यापकों का मानना है कि जो बच्चा लगातार हर परीक्षा में अव्वल आ रहा है, उसी को सिर्फ होनहार माना जा सकता है, जो छात्र इस कसौटी पर खरा नहीं उतर पाते हैं, उन्हें कमअक्ल माना जाता है।इसमें दो मत नहीं हैं कि स्कूल-कॉलेजों में प्राप्त अच्छे अंक छात्र-छात्राओं की पढ़ाई के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं किंतु इसका मतलब कदापि नहीं है कि हम इसे मेधावी होने या न होने का प्रमाण मानें। किसी विषय में कम या ज्यादा अंक प्राप्त करने से किसी भी छात्र को मेघावी या कमअक्ल नहीं माना जा सकता। हर विषय में हर छात्र की रु चि का होना जरूरी नहीं है। महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन की रुचि केवल भौतिक विज्ञान में थी। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। लता मंगेशकर की भी गणित या विज्ञान में रु चि नहीं थी। सचिन तेंदुलकर या महेंद्र सिंह धोनी का अकादमिक रिकॉर्ड बहुत खराब रहा है, लेकिन वे अपने क्षेत्र में महान हैं।दरअसल, यहां फंडा जब जागा तभी सवेरा' वाला है। जिन छात्रों के अंदर जीवन में सफलता हासिल करने की जिजीविषा जागृत हो जाती है वे हर कक्षा में तृतीय या द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने के बावजूद आईएएस की परीक्षा में शीर्ष 20 या 50 में स्थान बनाने में सफल हो जाते हैं। बारहवीं फेल फिल्म में एक ऐसे ही युवा की कहानी फिल्माई गई है। फिल्म थ्री इडियट' में दिखाए गए दर्शन को भी हम नकार नहीं सकते। जरूरी नहीं कि हर बच्चा इंजीनियर या डॉक्टर बने।दुनिया में करने के लिए इतने सारे क्षेत्र हैं कि आप किसी बच्चे को कमतर नहीं मान सकते। बस आपके दृष्टिकोण पर निर्भर करता है कि आप किसे होनहार मानते हैं। भारत में जो बच्चे कॉलेज तक लगातार अच्छे अंक लाकर नौकरी के लिए आवेदन करने लायक अर्हता अंक प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं, उन्हें ही जहीन माना जाता है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 2013 में पहली बार प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के अंकों को सार्वजनिक किया था, जिसमें 1004 अभ्यर्थी सफल हुए थे और शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले प्रत्याशी ने समग्र रूप 53 प्रतिशत अंक हासिल किए थे जबकि अंतिम पायदान पर सफल रहने वाले अभ्यर्थी ने लिखित परीक्षा में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। पूर्व में धारणा थी कि यूपीएससी की परीक्षा में 75 से 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही सफल होते हैं।मामला यूपीएससी तक सीमित रहे तो बात समझ में आए। हालात तो इतने बदतर हैं कि बैंक या अन्य निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में कर्मचारियों की भर्ती हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी 100 तो छोड़िए 60 प्रतिशत अंक भी स्कोर नहीं कर पाते हैं। देश में इंजीनियरिंग, मेडिकल,आईटीआई एवं अन्य रोजगारपरक शिक्षा की शुरु आत जरूर की गई है, लेकिन इन पाठ्यक्रमों की सार्थकता नाममात्र की है, क्योंकि यहां से पढ़कर बाहर निकलने के बाद भी अधिकांश युवा कौशलहीन होते हैं, जबकि हुनरमंद युवा देश के समावेशी विकास को सुनिश्चित करने में आगे रहते हैं। हुनरमंद बेरोजगार नहीं रहता।आसानी से अपने परिवार का भरण-पोषण कर लेता है। बढ़ई, लोहार, प्लंबर, बिजली मिस्त्री, राज मिस्त्री, वाहन की मरम्मत करने वाले कारीगर आदि कभी भूखे नहीं मरते। सरकार को कर भी देते हैं, और देश के अर्थ चक्र को गतिमान भी रखते हैं। अस्तु, आज सरकार को डिग्री बांटने की जगह युवाओं को हुनरमंद बनाने पर जोर देना चाहिए और योग्यतानुसार रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में अग्रतर कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि सभी के ज्ञान का स्तर एक समान नहीं होता पर निरंतर मेहनत सभी कर सकते हैं। मामले में अंकों की बाजीगरी की तह तक पहुंचने की भी आवश्यकता है। ऐसा होता है तो सरकार और लोग स्वत:कौशल विकास को प्राथमिकता देंगे।

-सतीश सिंह-

आओ इन्वेस्ट करें

आज का दौर ऐसा है इस दौर में कहीं भी आपको कामयाबी हासिल करनी हो तो इन्वेस्टमेंट जरूरी है बिना इन्वेस्टमेंट के

मोईनुद्दीन कोईरी चीज
बीकानेरी
राजस्थान

कामयाब नहीं हो सकते । चाहे कोई भी क्षेत्र हो, चाहे व्यवसाय हो ,एजुकेशन हो, सोशल वेलफेयर हो ,चाहे साहित्य हो व्यापार हो ,चाहे राजनीति का क्षेत्र भी क्यों न हो यदि आपको कामयाबी हासिल करनी है तो इन्वेस्टमेंट करना नितान्त जरूरी है ।इन्वेस्टमेंट के बिना आजकल दोस्त भी नहीं बनते , दोस्त भी आगे पीछे उनके होते हैं जो कुछ इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं । समाज में भी प्रतिष्ठा पानी है तो आपको इन्वेस्टमेंट करना होगा ।राजस्थानी में एक कहावत है बिना ठगायां ठाकुर नहीं कहलाता है । याद रखिए आप सामाजिक परिवेश में भी चाहे आप कुछ करना चाहते हैं आप मे कुछ करने की मानसिकता है तो आपको पहले इन्वेस्ट करना ही होगा ,आप समाज सुधार की बात करें ,समाज उत्थान की बात करें ,शिक्षा में जागृति लाने की बात करें , रिश्ते निभाने सामाजिक सुधार की बात करें ,तो आपको कहीं ना कहीं इन्वेस्टमेंट करना ही पड़ेगा चाहे उसके स्रोत कोई भी हो । आजकल जितनी भी संस्थाएं ,जितने भी सोशल वेलफेयर के कार्यक्रम क्यों फेल हो रहे हैं ? क्योंकि ÷ यू आर नॉट सक्सेस विदाऊट एनी इन्वेस्टमेंट। इसलिए जहां तक मेरा तजुर्बा है आप कोई भी काम करने की इच्छा रखते हैं तो समय का पहले इन्वेस्टमेंट करने की कैपेसिटी खुद की हो ,अपने साथियों की एक ऐसी टीम बने जो भी समय का इन्वेस्टमेंट करने के मूड में हो तभी हम स्थाई रूप से समाज में कोई भी परिवर्तन लाने में सक्षम हो सकते हैं , वित्तीय इन्वेसमेंट हमारे काम / प्रोजेक्ट के आधार,पर निर्भर करता है। यह सिलसिला लगभग 60 साल से देखते आ रहे हैं कुछ करना है तो कुछ तन मन धन से कटना भी इन्वेसमेंट ही होगा । हम अपने में से किसी को अपना अमीर बनाते हैं तो यह भी सहयोग रूपी इन्वेसमेंट है । किसी अच्छे काम में हां कहना भी इन्वेसमेंट है ।ऐसी बात नहीं है कि लोगों में काम करने की टीस न हो, लोग चाहते हैं कुछ करना और कुछ करने से पहले कदम बढ़ाने से पहले ही उसकी टांग न खींचना भी इन्वेसमेंट है। किसी काम मे सहयोग न कर सकें तो कोई बात नही ,लेकिन विरोध नहीं करना भी इन्वेसमेंट हैं । कुछ लोग , कुछ संस्थाएं सफल/ असफल के बावजूद भी वे अपने मन की बात को जारी रखते हैं, क्या यह विचार आप सबके अंदर है तो ये भी एक इन्वेसमेंट है। अपने मक्सद ,इरादे , उद्देश्यों के लिए शुरुआती दौर में समय, तन-मन का इंवेस्टमेंट ज़रूरी है इस इन्वेसमेंट को लोग शून्य आंकते हैं जबकि धन का इन्वेसमेंट्स नजर आ जाता है, सार्वजनिक जीवन में काम करना है तो सदा यश की भूख से दूर रहें ,काम की क्रैडिट अन्य को देना भी बड़पपन आपकाजानते हैं तो आप बहुत बड़ा इन्वेसमेंट करते है ।याद रखें किसी को सहारा देना ,सलाह देना , हिम्मत बंधाना, रास्ता बताना ,प्रेम से बोलना , हौसला अफजाई करना , बड़ों का अभिवादन छोटों से स्नेह करना, मुसीबत में सहाय बनना जैसी सभी छोटी छोटी बातें भी अदृश्य इंवेस्टमेंट है जिसका फल ईश्वर (खुदा) देता है। इन्वेस्टमेंट सकारात्मक ,उज्ज्वल पक्ष का शुभ संकेत बतोर संगठित प्रगति को सुदृढ व निरंतरता की ओर अग्रसर करता है ,आओ समाज में एकता , भाईचारा,आपसी सद्भाव संस्कार आदि के लिए उसमें सकारात्मक ,इन्वेस्टमेंट अवश्य करें।

मिशन में असफल

अठारहवीं लोक सभा के लिए हुए चुनावों के जो परिणाम सामने आए हैं, वे बेहद चौंकाने वाले हैं। न तो भाजपा स्वयं के 370 और न ही एनडीए के 400 पार के मिशन को पूरा करने में सफल हो पाई। हालांकि चुनाव परिणामों की घोषणा के दो ही दिन पहले जारी हुए तमाम एग्जिट पोल में एनडीए के 400 पार होने की संभावना जताई गई थी लेकिन हुआ इसका उलट यानी एनडीए 300 का आंकड़ा भी नहीं छू पाया जबकि इंडिया गठबंधन अप्रत्याशित रूप से 230 से भी ज्यादा सीटें हासिल करते हुए मजबूत विपक्ष बनने में सफल हुआ है।भाजपा जहां 240 सीटों पर और एनडीए 291 सीटों पर सिमट गया, वहीं यह भी पूरी तरह स्पष्ट हुआ है कि इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जादू 2014 और 2019 की भांति नहीं चल सका। हालांकि भाजपा एक बार पुन- देश की सबसे बड़ी पार्टी बनी है लेकिन अपने बूते बहुमत के जादुई आंकड़े को छूने से काफी पीछे रह गई। उसके लिए चिंता की बात यह है कि 7 राज्यों तमिलनाडु, पंजाब, सिक्किम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड तथा 4 केंद्रशासित प्रदेशों पुडुचेरी, चंडीगढ़, लद्दाख और लक्षद्वीप में खाता खोलने में भी नाकाम रही। मोदी के नेतृत्व में केंद्र में उनके लगातार तीसरे कार्यकाल में यह पहली बार है, जब उन्हें स्थायी सरकार चलाने के लिए सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा यानी 10 वर्षों बाद फिर से गठबंधन की अहमियत का दौर लौट आया है। जद (यू) और टीडीपी इस बार किंगमेकर की भूमिका में उभरे हैं।हालांकि हिमाचल, दिल्ली, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है और गुजरात में भी एक सीट छोड़कर बाकी सभी सीट उसकी झोली में गई हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश और प. बंगाल में पार्टी को जितना बड़ा झटका लगा है, उसका अनुमान संभवतः पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी नहीं था। हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और महाराष्ट्र में भी भाजपा को नुकसान हुआ है। हालांकि कर्नाटक में एनडीए का प्रदर्शन शानदार रहा और टीडीपी के साथ मिलकर आंध्र प्रदेश में भी इसने विजय पताका लहराई, केरल की भी एक सीट जीतने में भाजपा सफल रही लेकिन दक्षिण भारत में भाजपा का वैसा जादू नहीं चला, जैसी पार्टी को उम्मीद थी।दूसरी ओर, कांग्रेस ने जिस तरह का दमदार प्रदर्शन करते हुए 99 सीटें जीतीं उससे कांग्रेस को निश्चित रूप से संजीवनी मिली है। कांग्रेस 2014 में केवल 44 और 2019 में 52 सीट ही जीत सकी थी। उस गिरते ग्राफ का ठीकरा राहुल गांधी पर फोडऩे के प्रयास हुए थे लेकिन 2024 के चुनाव में 99 सीटें जीतने के बाद गठबंधन में राहुल की स्वीकार्यता बढऩे के साथ ही निश्चित रूप से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मनोबल को भी मजबूती मिलेगी।1984 में कांग्रेस को करीब 12.01 करोड़ वोट प्राप्त हुए थे, उसके बाद इस बार उसे अब तक के सबसे ज्यादा 13.6 करोड़ से भी अधिक मत प्राप्त हुए हैं तथा कांग्रेस धरातल पर मजबूती से खड़ी होने में सफल हो पाई है। हालांकि यह अलग बात है कि चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार भाजपा को 23.45 करोड़ से भी ज्यादा वोट मिले हैं, और कांग्रेस अभी भी उसके मुकाबले कहीं नहीं खड़ी है। कांग्रेस के साथ गठबंधन कर उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने करिश्माई जीत दर्ज की है। दरअसल, 2019 के चुनाव में सपा ने बसपा के साथ गठबंधन किया था और बसपा को 10 लेकिन सपा को 5 सीटें ही मिल सकी थीं। लोक सभा चुनाव में वोट शेयर के लिहाज सपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1998 में था, जब उसे करीब 29 प्रतिशत वोट मिले थे जबकि सीटों के दृष्टिगत उसका बेहतरीन प्रदर्शन 2004 में था, जब उसे 35 सीटों पर जीत मिली थी लेकिन 2024 के चुनाव में सपा 37 सीटें जीतने में सफल रही। जहां तक पूरे आत्मविश्वास के साथ 400 पार का नारा देने वाले एनडीए की हार के प्रमुख कारणों की बात है तो सबसे हैरानी बात तो यही है कि राम मंदिर जैसा आस्था और सनातन से जुड़ा बड़ा मुद्दा भी भाजपा के ज्यादा काम नहीं आया।जनवरी महीने में ही अयोध्या में प्रधानमंत्री मोदी ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की थी और चुनाव में इस मुद्दे को भुनाने के लिए भाजपा ने हरसंभव प्रसास भी किए थे लेकिन विपक्ष के बेरोजगारी, महंगाई और सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना जैसे मुद्दे इस पर कहीं ज्यादा हावी रहे। महंगाई का मुद्दा भी चुनाव के सातों चरणों के दौरान छाया रहा। हालांकि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2014 से 2024 तक के एनडीए सरकार के एक दशक के कार्यकाल में महंगाई बढऩे की बजाय घटी है।आंकड़ों के अनुसार 2013 में महंगाई दर 10.02 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर महज 5.69 प्रतिशत रह गई थी लेकिन यह बात थी केवल सरकारी आंकड़ों की जबकि आम जन के दैनिक जीवन से जुड़ी जरूरतों के सामान की कीमतें पिछले पांच वर्षों में 30 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ी, जिससे खाने की थाली लगातार महंगी होती जा रही है और महंगाई का सीधा असर लोगों के जीवन निर्वाह पर पड़ रहा है। इस कारण भी मध्य वर्ग सरकार से नाराज था। किसानों को हिन्टी पट्टी का कोर वोटर माना जाता है और पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों में किसानों की लगातार नाराजगी भी भाजपा पर भारी पड़ी। इसका असर राजस्थान, महाराष्ट्र और बिहार तक में भी पड़ा। भाजपा ने 2014 से अभी तक तीनों लोक सभा चुनाव नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर ही लड़े हैं। पहली बार 2014 के चुनाव में पार्टी अपने बूते 282 सीटें जीत कर अपनी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में सफल हुई थी।2019 में भी मोदी के ही चेहरे पर पार्टी ने रिकॉर्ड 303 सीटों पर जीत दर्ज की थी लेकिन इस बार के चुनाव में वह 240 सीटों पर सिमट गई यानी 2014 के मुकाबले 42 सीटें और 2019 के मुकाबले 63 सीटें कम। 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेन्द्र मोदी ने 371784 मतों के बड़े अंतर से आप' के अरविंद केजरीवाल को पराजित किया था, वहीं 2019 के चुनाव में उन्होंने 479505 मतों के भारी अंतर से सपा की शालिनी यादव को हराया था। हालांकि इस बार भी वाराणसी से उन्होंने कांग्रेस के अजय राय को हराया है लेकिन उनकी जीत का अंतर घटकर 152513 ही रह गया है।ऐसे में चौंकाने वाले इस जनादेश ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अब भाजपा का काम मोदी के चेहरे के भरोसे रहने से ही नहीं चलने वाला, बल्कि पार्टी और गठबंधन के निर्वाचित सांसदों को भविष्य में रिकॉर्ड जीत के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में काम भी बेहतर करना होगा।

-योगेश कुमार गोयल-

महाराणा प्रताप

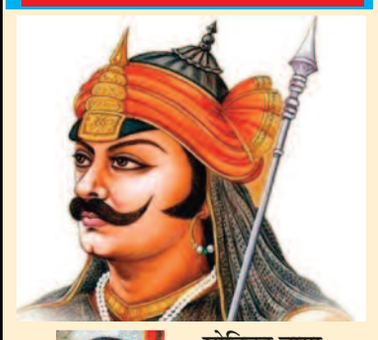

मोनिका डागा
आनंद
चेन्नई ,
तमिलनाडु

जीवन किया मातृभूमि को पूर्ण समर्पित,
गुणगान करता हूं वीर राणा का सुरभित ,
जिनके पराक्रम से इतिहास सुशोभित,
जिनके रगों में देश प्रेम की धारा प्रवाहित ।
किया जिसने दुश्मनों को तेज से अचंभित,
शौर्य के आगे जिनके शत्रु सेना थी विस्मित,
अलौकिक प्रकाश,अद्भुत शौर्य से सुसज्जित,
हृदय प्रचंड अग्नि स्वाभिमान की थी प्रस्फुटित ।
जंगल में दिन गुजारने
पर भी नहीं हुए विचलित,
सैन्य बल एकत्रित कर की
रणबांकुरों की सेना संगठित,
सवार हो गए प्रिय चेतक पर
महाराणा प्रताप आनंदित,
हल्दीघाटी के युद्ध में
प्रहार किया मुगलों पर देशहित।
आतंकी दुष्ट मुगलों को
किया घायल व धूसरित,
देश की सेवा का प्रण लिया था संकल्पित,
बलिदान कर दिया अपना
जीवन मृत्यु पाई सम्मानित,
आभारी भारत राष्ट्र करता
कोटि-कोटि नमन प्रशंसित।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भोले की गागर

कार्तिकेय कुमार
त्रिपाठी राम
गांधीनगर,
इन्दौर,मध्यप्रदेश

प्रेम की गागर भर कर भोले,
छलक-छलक छलकाय,
मैं जब-जब देखूं भोले को,
मन मंद-मंद मुस्काय।
प्रेम की गागर .....
मंदिर में भोले की छवि है,
जन-जन को स्वीकार,
भक्ति भाव में डूबे सारे,
और सपना साकार।
प्रेम की गागर ....
भोले की आंखों में भरा है,
अपनापन और प्यार,
प्रेम की नदियां ऐसी बहती,
गंगाजल-सी धार।
प्रेम की गागर ...
आशीषों की शीतल छाया,
है भोले के द्वार,
डूब गया जो भक्ति में तो,
कभी ना माने हार।
प्रेम की गागर .....
कलम लेखनी लेकर भोले,
आए तेरे द्वार,
अंतिम श्वास लिखे बस तुझको,
बस यही एक मनुहार।
प्रेम की गागर ....

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

चिंतन

लक्ष्मी नारायण
सेन
खुटेरी गरियाबंद
छत्तीसगढ़

मत जांचों इंसान को
मत तौलों इंसान को
देखो तुम व्यवहार को
समझों मन के भाव को!
कमी तो सब मे स्वाभाविक है
पूर्णतः तो केवल ईश्वर मे ही है
सार तत्व को ग्रहण करिए
मानव बनकर तुम रहिए!
स्वयं को आप हमेशा परखिए
सत्यता की कसौटी पर कसिए
दूसरों की एक गलती देखतें है
हम अपनी गलतियों को छुपाते है!
बदलाव किसी और से नही
परिवर्तन हम से ही संभव है
रास्ते की माप कितना भी हो
सफर तो हमे ही तय करना है!
देखते ही रह गए हम
कोसते ही रह गए हम
हौसला लिए निकल जाते
तो मंजिल को पा लेते हम!

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा .....अम्बिकापुर न्यायालय..... के अधीन होगा।

शहर में चारो तरफ बड़े-बड़े बहुमंजिली इमारतों में फायर सेफ्टी नहीं,विभाग के पास भी संसाधन की कमी

– भूपेन्द्र सिंह –
अंबिकापुर,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

शहर का विकास काफी तेजी से हो रहा है। नियमों के ताक पर रखकर चारो तरफ बड़े-बड़े बहुमंजिली इमारों का निर्माण हो रहा है। लेकिन फायर सेफ्टी के कोई विशेष उपाए नहीं किए जा रहे हैं। आगजनी जैसी घटना होने पर लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इधर दमकल विभाग के पास भी संसादन की कमी है। 4-5 मंजिले मकानों में आगजनी जैसी घटना होने पर बुझाने के लिए दमकल विभाग के पास पर्याप्त संसाधन नहीं है। इस स्थिति में अंबिकापुर शहर में आगजनी जैसी घटना होने पर भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसका मुख्य कारण लोगों में खुद की जागरुकता की कमी मुख्य कारण है।

शहर में हर गली-मोहल्लों में बड़ी-बड़ी इमारतें काफी तेजी से बन रही है। लोग इसका उपयोग व्यवसायिक के रूप में मॉल, दुकान, अस्पताल, होटल के रूप में कर रहे हैं। ताकि अधिक से अधिक इंकम आ सके। लेकिन आगजनी जैसी घटना से निपटने के लिए भवनों में फायर सेफ्टी का ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अतिरिक्त खर्च के कारण इमारतों में फायर सेफ्टि नहीं लगवाते हैं। इसका खामियाजा आगजनी जैसी घटना होने के बाद उठाना पड़ता है। वहीं नियम को दरकिनार कर रिहायशी इलाकों में बड़े-बड़े भवनों का निर्माण हो गया है। वहीं शहर में जिस तरह से व्यवसायिक बहुमंजिली इमारतें हैं उस तरह से आग से निपटने के लिए दमकल विभाग के पास पर्याप्त संसाधन नहीं है। विभाग आज भी आग बुझाने के लिए पुराने सेटअप पर ही चल रहा है। चार दिन पूर्व ही शहर में आगजनी की एक बड़ी घटना हुई है। 5 मंजिले दुकान व होटल में आग लगने से करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ा है।

अधिकांश घटनाएं शॉट सर्किट से

शहर के घरों व दुकानों में आगजनी की घटनाएं होने का अधिकांश कारण बिजली शॉट सर्किट पाया गया है। दमकल विभाग के प्रभारी अंजनी तिवारी के अनुसार 60 प्रतिशत घटनाएं शॉट सर्किट से होती है। इसमें बिजली विभाग के साथ-साथ खुद की भी लापरवाही रहती है। 10-15 वर्ष पुराने वायरिंग लगे रहते हैं। इसे बदलने की चिंता नहीं होती है। वहीं एक ही बिजली मिटर पर लोड दिया जाता है। बिजली की लोड भी लगातार बढ़ रही है। गर्मी के सिजन में ऐसे ही बिजली की लोड अधिक हो जाती है। वहीं पुराने वायर होने के कारण शॉट सर्किट होने की संभावना ज्यादा रहता है।

बड़े भवनों के अनुसार संसाधन नहीं

शहर में बड़े-बड़े भवन बन रहे हैं। उसके अनुसार दमकल विभाग के पास संसाधन नहीं है। लोगों में जागरुकता की कमी है। लोग मुख्य मार्ग के अलावा गली मोहल्लों में सकरा गली में भी 4-5 मंजिले मकान है। इन क्षेत्रों में आग लगने पर फायर वाहन नहीं पहुंच सकता है। ऐसे में सांसाधन नहीं है कि दूर से ही सकरा गली में जाकर चौथे-पांचवें मंजिल पर आग बुझाया जा सके।

मैन पावर की कमी

दमकल विभाग के पास जितना अवश्यकता है उतना स्टाफ नहीं है। एक शिफ्ट के स्टाफ से तीन शिफ्ट का काम लिया जा रहा है। अगर शहर में कहीं बड़ी आगजनी की घटना होने पर दमकल विभाग को नगर सेना का सहारा लेना पड़ता है। जानकारी के अनुसार दमकल विभाग के 22 व नगर सेना के 10 कर्मचारी के भरोसे जिले की जिम्मेदारी है।

मात्र दो स्थानों पर पानी का प्वाइंट

भीषण आग लगने पर पर्याप्त पानी की आवश्यकता होती है। दमकल प्रभारी अंजनी तिवारी ने बताया कि मात्र दो स्थानों पर ही पानी का प्वाइंट है। थाना चौक व पुराना फायर स्टेशन के पास है। इस स्थिति में भीषण आग लगने पर पानी की कमी का सामना करना पड़ता है।

घटना के बाद जागा विभाग

चार दिन पूर्व हुई शहर में बड़ी आगजनी की घटना के बाद दमकल विभाग की नींद खुली है। वह शहर के अवश्यकता के अनुसार संसाधन के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा है। नगर सेना के संभागीय कमांडेंट राजेश पांडेय ने बताया कि सीएफटी वाहन के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस ने की कार्रवाई

– संवाददाता –
अंबिकापुर,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

शराब सेवन कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सरगुजा पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है। शनिवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र के चौक-चौराहों पर प्वाइंट लगाकर पुलिस द्वारा ब्रेथ ऐनालाइजर से चेक किया गया। जांच में अलकोहल की मात्रा पाए जाने पर वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में शनिवार की शाम 7.30 से 11 बजे तक जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रके चौक चौराहों पर प्वाइंट लगाकर शराब सेवन कर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान अम्बिकापुर के 5 प्रमुख चौक चौराहों सहित जिले के समस्त थाना, चौकी में कुल 16 पॉइंट लगाए गए थे। जिसमें 100 से अधिक पुलिस अधिकारी,कर्मचारी तैनात किए गए थे। वाहन चालकों कों ब्रेथ ऐनालाइजर से चेक करने पर थाना कोतवाली अंतर्गत सदभावना चौक में 1, भारत माता चौक में 1 प्रकरण, थाना गांधीनगर अंतर्गत अम्बेडकर चौक में 1 प्रकरण, थाना मणीपुर अंतर्गत बिलासपुर चौक में सर्वधिक 4 प्रकरण, थाना लखनपुर अंतर्गत लखनपुर बस स्टैंड से 1, चौकी रघुनाथपुर अंतर्गत रघुनाथपुर पॉइंट से 1 प्रकरण दर्ज किया गया है। कुल 9 वाहन चालक शराब पीकर वाहन चलाते पाए गए। जिनके खिलाफ पुलिस द्वारा 185 मोटर व्हीकल के तहत कार्रवाई की गई है। वहीं अभियान के तहत यातायात के नियमों की अवहेलना करने पर 125 वाहन चालकों से 43300 रुपये समन शुल्क वसूले गए हैं।

बगैर स्वीकृति हुआ निर्माण

मिली भगत से चला भ्रष्टाचार का खेल

– संवाददाता –
अंबिकापुर,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

कमीशनखोरी की बोझ से दबे कतिपय अधिकारियों की छत्रछाया में ठेकेदार अब आपसी प्रतिस्पर्धा के चलते इंजीनियरों की मिली भगत से प्रशासकीय स्वीकृति के पूर्व ही पुल पुलिया का निर्माण करने लग गए हैं, ताकि काम किसी दूसरे के हाथों में न चला जाए, घटिया काम के साथ मोटी कमाई भी हो जाए। यह मामला सीतापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत भिठुवा का है। बताया जा रहा है कि ग्राम भिठुवा में कथित तौर पर बगैर मंजूरी ठेकेदार ने 10 लाख रुपए की पुलिया बना दी। फिलहाल यह निमार्ण अब भी जारी है। शासन को बगैर खर्च यह पुलिया मुफ्त में मिल गया। इस गोरखधंधे को लेकर लोगों के बीच तरह तरह की चर्चाएं व्याप्त है। कोई चुटकी लेते हुए कह रहा है कि ऐसे दानवीर ठेकेदार पिछड़े इलाको के लिए देवदूत हैं, तो वही कई लोग इसे भ्रष्टाचार की प्रकाष्ठा बता रहे हैं।

बगैर अनुमति निर्माण गलत-रामकुमार टोप्पो विधायक

क्षेत्रीय विधायक रामकुमार टोप्पो ने इस मामले में कहा कि प्रशासकीय स्वीकृति के बिना प्रशासकीय स्वीकृति के कार्य करना बिल्कुल गलत है। इसकी जाँच करवाई जाएगी।

शासन को मुफ्त में मिल गई दस लाख की पुलिया

राशि नही होगी जारी-नूतन कंवर सीईओ जिला पंचायत

जिला पंचायत सीईओ ने इस मामले में कहा कि अगर प्रशासकीय स्वीकृति से पहले ही पुल का निर्माण कर दिया गया होगा तो उस निर्माण कार्य की राशि जारी नहीं की जाएगी। प्रशासकीय स्वीकृति के बैगर निर्माण कार्य करना अवैध माना जाता है।

सीसीटीएनएस एप्लीकेशन में हुए बदलाव की दी गई जानकारी

– संवाददाता –
अंबिकापुर,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

सीसीटीएनएस एप्लीकेशन में नवीन कानूनों के क्रियान्वयन की दिशा में ऑनलाइन एप्लीकेशन में हुए बदलाव को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण का अयोजन किया गया। प्रशिक्षण में थाना, चौकियों में सीसीटीएनएस कार्य में पदस्थ अधिकारियों कर्मचारियों को नवीन प्रक्रियाओं के तहत हुए बदलाव से अवगत कराया गया। एसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि नवीन आपराधिक कानून को प्रक्रिया में लाने हेतु आप सभी अधिकारी, कर्मचारियों की भूमिका प्रमुख है। सीसीटीएनएस एप्लीकेशन में नवीन कानूनों के क्रियान्वयन हेतु कई बदलाव किए गए हैं। ऑनलाइन एप्लीकेशन में सूचनाएं सहित कई नई जानकारिया प्रविष्टि करनी होगी। ई- साक्ष्य ऐप में फोटो, विडिओ दर्ज करना सभी अधिकारी, कर्मचारी को आना चाहिए। इसके लिए आप सभी प्रशिक्षण प्राप्त करें एवं अन्य विवेचकों को उक्त जानकारिया साझा करे। नवीन कानून की क्रियान्वयन की दिशा में सीसीटीएनएस एप्लीकेशन में हुए बदलाव को स्लाइड के माध्यम से समझने का प्रयास करें एवं अगले माह से परिपालन में लाया जाना सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण शिविर मं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (ग्रामीण) अमित पटेल एवं समस्त थाना, चौकी से सीसीटीएनएस कार्य में पदस्थ अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

लघु वनोपज माहुल पत्ता संग्रहण एवं दोना पत्तल प्रसंस्करण स्व सहायता समूहों के लिए बना आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम

– संवाददाता –
अंबिकापुर,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा वन धन विकास योजना अंतर्गत निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर लघु वनोपज का संग्रहण किया जाता है। ग्राम स्तर पर महिला स्व सहायता समूह के द्वारा अच्छे गुणवत्ता युक्त एवं बड़े आकार के लघु वनोपज माहुल के पत्तों को तोड़कर माहुल पत्ता का संग्रहण जंगलों में जाकर किया जा रहा है। माहुल पत्ता संग्रहण से 1500 रुपए प्रति क्विंटल की दर से संग्राहकों को आय प्राप्त होती है।वहीं दूसरी ओर संग्रहित माहुल पत्ता का वन धन विकास केन्द्र पर समूह की महिलाओं द्वारा दोना पत्तल आदि बनाया जाता है, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त होती है।

इसी कड़ी में सरगुजा वृत्त के मुख्य वन संरक्षक के मार्गदर्शन में सरगुजा वनवृत्त अंतर्गत जिला कोरिया के वन धन विकास केंन्द्र सोनहत के एकता महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा द्वितीयक प्रसंस्करण कर बायो डिग्रेडबल दोना पत्तल निर्मित किया जा रहा है। समूह के 13 महिलाएं मेहनत एवं लगन के साथ दोना पत्तल निर्माण कर अतिरिक्त आय प्राप्त कर रहीं हैं। इन महिलाओं द्वारा संग्रहित माहुल पत्ता को वित्तीय वर्ष 2023-24 में 32 संग्राहकों द्वारा कुल 49.85 क्विंटल खरीदी की गई। माहुल दोना पत्तल विक्रय से अब तक 3.55 लाख रूपए की आय प्राप्त हुई।

बता दें कि विगत चार वर्षों में ऐसे समूहों के द्वारा कुल 7.31 लाख दोना पत्तल निर्माण कर संघ एवं विभिन्न मार्ट के माध्यम से विक्रय किया गया है, माहुल पत्तल से बने दोना-पत्तल बायो डिग्रेडबल होने के कारण उत्पाद का बहुतायत में मांग है।

जमीन पर प्रसव के मामले में एएनएम व स्टाफ नर्स निलंबित

» बीएमओ और संस्था प्रभारी को कारण बताओ नोटिस जारी

– संवाददाता –
अंबिकापुर,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

विकासखण्ड अंबिकापुर अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नवानगर में प्रसूता द्वारा जमीन पर प्रसव किए जाने की घटना संज्ञान में आते ही कलेक्टर विलास भोसकर द्वारा सीएमएचओ को विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए थे। रविवार को जिला स्तरीय जांच दल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला मितानिन समन्वयक की उपस्थिति में जांच की गई है।

जांच के दौरान बीएमओ, संस्था प्रभारी, बीपीएम, स्टॉफ नर्स, एएनएम एवं स्थानीय मितानिन उपस्थित रहे। सीएमएचओ आरएन गुप्ता ने बताया कि जांच के तहत सभी के समक्ष उक्त प्रकरण के बारे में बयान लिया गया, तथा जच्चा-बच्चा प्रसूता महिला एवं नवजात बच्चों को देखा गया। उन्होंने बताया कि प्रसूता महिला एवं बच्चा दोनों स्वस्थ हैं, उक्त प्रकरण में समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी, मितानिन को बयान लेने के पश्चात और दस्तावेजों के परीक्षण उपरांत सीएमएचओ द्वारा खण्ड चिकित्सा अधिकारी के प्रतिवेदन के आधार पर कार्रवाई करते हुए रात्रिकालिन स्टॉफ द्वितीय एएनएम मीना चौहान को तत्काल प्रभाव से हटाकर आयुष्मान मंदिर रेवापुर में कार्यादेशित किया गया। डयूटी में पदस्थ स्टॉफ नर्स बिना पूर्व सूचना के स्टॉफ नर्स कन्या पैंकरा कार्य में अनुपस्थित थी, उनको निलंबित करने हेतु संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं को प्रस्ताव प्रेषित किया गया, जिस आधार पर संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. पीएस सिसोदिया द्वारा प्रकरण को साक्ष्य के आधार तथा गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि में संबंधित का मुख्यालय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा किया गया। निलबंन अवधि में संबंधित को जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी, साथ ही संस्था प्रभारी एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए आगामी कार्रवाई हेतु राज्य कार्यालय में पत्र प्रेषित किया गया है।

संसद के स्पीकर समेत छह नाम राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल,अहमदीनेजाद को लड़ने की इजाजत नहीं

तेहरान, 09 जून 2024। ईरान में पूर्व राष्ट्रपति अहमदीनेजाद राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक 28 जून को होने वाले चुनाव के लिए संसद के स्पीकर समेत छह नामों पर मुहर लगी है। इससे पहले दो जून को आई खबर के मुताबिक अहमदीनेजाद ने 28 जून को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए बीते रविवार को नामांकन किया था। गौरतलब है कि इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर हादसे में विगत 19 मई को मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद ईरान में राष्ट्रपति चुनाव हो रहे हैं।

कट्टरपंथी नेता की छवि रखने वाले पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद भावी राष्ट्राध्यक्ष बनने की रेस में शामिल सबसे चर्चित नाम हैं। हालांकि, अब उनके चुनाव लड़ने पर ग्रहण लगता दिख रहा है। अहमदीनेजाद साल 2005 में ईरान के राष्ट्रपति चुने गए थे। वे लगातार आठ साल (दो कार्यकाल) यानी साल 2013 तक ईरान के राष्ट्रपति रहे।

इस्राइल और अमेरिका के खिलाफ मुखर रहे हैं

गौरतलब है कि पश्चिम एशियाई और इस्लामिक मुल्कों की सियासत को देखते हुए ईरान का राष्ट्रपति चुनाव बेहद रोचक माना जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि अहमदीनेजाद को अमेरिका का कट्टर विरोधी माना जाता है। अहमदीनेजाद इस्राइल के भी घोर विरोधी माने जाते हैं और वह इस्राइल को दुनिया के नक्शे से मिटाने की बात कह चुके हैं।

सर्वोच्च नेता से टकराव के कारण 2021 में भी अयोग्य करार दिए गए थे

बता दें कि ईरान का राष्ट्रपति रहने के दौरान अहमदीनेजाद ने अयातुल्लाह अल खुमैनी को चुनौती दी थी। इसी कारण करीब तीन साल पहले भी उन्हें राष्टपति चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। 2021 में अहमदीनेजाद को ईरान संवैधानिक निगरानी संस्था, गार्जियन काउंसिल ने अयोग्य करार दिया था।

ईरान के सर्वोच्च नेता पर दबाव; पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण तनाव

खबरों के मुताबिक अहमदीनेजाद की छवि और उनके जनाधार को देखते हुए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अल खुमैनी पर भी दबाव है। पिछले लगभग 8-10 महीने में ईरान और इस्राइल के बीच भी तनाव बढ़ा है। तनाव का एक कारण इस्राइल और हमास के बीच जारी हिंसक टकराव है। सात अक्तूबर, 2023 से शुरू हुई लड़ाई में अब तक 36 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। 80 हजार से अधिक लोग घायल भी हुए हैं। गाजा में इस्राइली सेना की कार्रवाई के कारण अभूतपूर्व मानवीय संकट पैदा हुआ है, यहां तक कि अस्पतालों और राहत शिविरों पर बमबारी में भी लोग मारे जा रहे हैं। बीते आठ महीने से अधिक समय से युद्ध जारी है।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने गाजा में युद्ध विराम का किया आह्वान

पेरिस, 09 जून 2024। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात के दौरान गाजा में तत्काल युद्ध विराम का आग्रह किया। बाइडेन फ्रांस की यात्रा पर हैं।मैक्रों ने शनिवार को एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, नौ महीने के संघर्ष के बाद, रफा में स्थिति काफी दयनीय है। मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है, ये अस्वीकार्य है।रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इजरायल गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सभी क्रॉसिंग पॉइंट नहीं खोल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय कई महीनों से ये मांग कर रहा है।बाइडेन ने कहा कि वे सभी बंधकों की घर वापसी और गाजा में युद्ध विराम के लिए काम करना जारी रखेंगे।नॉरमैंडी लैंडिंग की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए बाइडेन दो दिन की फ्रांस यात्रा पर हैं।इस बीच, सेंट्रल गाजा में नुसेरत शिविर पर इजरायली हवाई हमलों में 210 फिलिस्तीनियों के मारे जाने की ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने कड़ी निंदा की है।शनिवार को जारी एक बयान में कनानी ने हमलों के दौरान सैकड़ों फिलिस्तीनी नागरिकों की हत्या को भयानक अपराध बताया।प्रवक्ता ने कहा कि इजरायल द्वारा किया गया अपराध गाजा में युद्ध अपराध के साथ-साथ विभिन्न देशों की सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की निष्क्रियता का परिणाम है।

अदन की खाड़ी में फिर हुआ व्यापारिक जहाज पर हमला, हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले से जहाज में लगी आग

नई दिल्ली,09 जून 2024। ब्रिटिश सुरक्षा फर्म एंब्रे ने रविवार को दावा किया है कि अदन की खाड़ी में एक व्यापारिक जहाज पर मिसाइल से हमला हुआ है। हमले के चलते जहाज में आग लग गई। हमला यमन से हुआ और इसके पीछे हूती विद्रोहियों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है।

मिसाइल हमले में जहाज पर लगी आग

ब्रिटेन के मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने बताया कि जहाज के कप्तान ने उन्हें घटना के बारे में सूचित किया। जहाज पर यमन के नजदीक अदन की खाड़ी में दक्षिण पूर्व में 80 नॉटिकल मील की दूरी पर हमला हुआ। हूती विद्रोही बीते कई महीनों से लाल सागर, अदन की खाड़ी और अरब सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं। इस्राइल द्वारा गाजा में हमले के खिलाफ और फलस्तीनी लोगों के समर्थन में हूती विद्रोही इन हमलों को अंजाम दे रहे हैं।

सुरक्षा फर्म एंब्रे का कहना है कि जहाज के अगले हिस्से पर मिसाइल का हमला हुआ, जिसके बाद जहाज में आग लग गई। हालांकि जहाज के क्रू ने ही आग पर काबू पा लिया। जहाज पर दो मिसाइलों से हमला किया गया, लेकिन दूसरी मिसाइल जहाज से नहीं टकराई। हमले में किसी के हताहत होने और बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

लंबे समय से हूती विद्रोही जहाजों पर कर रहे हमले

बीते दिनों हूती विद्रोहियों ने यमन में संयुक्त राष्ट्र के नौ कर्मियों का अपहरण कर लिया था। बंदी बनाए गए सभी कर्मी यमन मूल के ही है। हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिका और ब्रिटेन ने संयुक्त अभियान भी चलाया था और यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमले किए थे। हालांकि इसके बावजूद हूती विद्रोही अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं। हूती विद्रोहियों के हमले के चलते कई व्यापारिक जहाज अब अफ्रीका होते हुए लंबे रास्ते से गुजर रहे हैं। इसके चलते महंगाई भी बढ़ी है।

किम की गंदी हरकत का दक्षिण कोरिया देगा जवाब, प्योंगयांग के विरोध में लाउडस्पीकर से करेगा प्रचार

सियोल, 09 जून 2024। उत्तर कोरिया अभी तक दक्षिण कोरिया को मिसाइल और परमाणु बम की ही धमकी देता रहा है। लेकिन अब उत्तर कोरिया गंदगी भी फैलाने लगा है। उत्तर कोरिया ने हाल ही में दक्षिणी कोरिया में कूड़ा-कचरा बांधकर 150 गुब्बारे छोड़ दिए थे। इस पर दक्षिण कोरिया भड़क गया। उसने कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाने के मामले में सख्त रुख अपनाया है। सियोल का कहना है कि एक बार फिर से व्योंगयांग के विरोध में लाउडस्पीकर के जरिए प्रचार किया जाएगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक के बाद दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि लाउडस्पीकर लगाए जाएंगे और रविवार से प्रसारण शुरू हो जाएगा। इससे उत्तर कोरिया जरूर गुस्सा होगा और जवाबी सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरिया ने सप्ताह के अंत में एक बार फिर से सैकड़ों कचरे

वाले गुब्बारे यहां भेजे। उन्होंने कहा कि मई से लेकर अब तक तीसरी बार ऐसी हरकत की गई है। सेना ने पहले कहा था कि वह इस बात की जांच कर रही है कि गुब्बारों में उत्तर कोरियाई प्रचार सामग्री तो नहीं है। हालिया घटना उत्तर कोरिया के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उसने कहा था कि वह दक्षिण में कार्यकर्ताओं की ओर से सीमावर्ती इलाकों में लगातार पर्चे और अन्य कूड़ा-कचरा फैलाने के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा।

बता दें, 1950 के दशक में कोरियाई युद्ध के बाद से उत्तर और दक्षिण कोरिया दोनों ने अपने प्रचार अभियान में गुब्बारे का इस्तेमाल किया है।

नहीं मिला खतरनाक पदार्थ

सुरक्षा परिषद ने कहा था कि इस समझौते के निलंबन से दक्षिण कोरिया को उत्तर कोरिया की सीमा के पास सैन्य अभ्यास फिर से शुरू करने और पड़ोसी मुल्क के उकसावे पर प्रभावी एवं तत्काल प्रतिक्रिया करने की अनुमति मिलेगी। परिषद के मुताबिक, समझौते के निलंबन पर एक प्रस्ताव मंगलवार को कैबिनेट परिषद में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। उत्तर कोरिया ने अब तक दक्षिण कोरिया के विभिन्न हिस्सों में करीब एक हजार से ज्यादा गुब्बारे उड़ाए हैं, जिनमें खाद से लेकर सिगरेट के टुकड़े, कपड़े के टुकड़े और बेकार कागज भरे हुए थे। दक्षिण कोरिया की सेना के अनुसार, इन गुब्बारों में कोई भी खतरनाक पदार्थ नहीं मिला।

दक्षिण कोरिया का बड़ा फैसला

इससे पहले दक्षिण कोरिया ने कहा था कि उत्तर कोरिया की इस हरकत के जवाब में वह कड़ा कदम उठाएगा। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा था कि परिषद ने वर्ष 2018 के अंतर-कोरियाई समझौते को निलंबित करने का फैसला किया है। इस समझौते का उद्देश्य दोनों कोरियाई देशों के बीच आपसी विश्वास बहाल होने तक सीमावर्ती शत्रुता को कम करना था।

अंबिकापुर में एक निजी अस्पताल के छत से कूद महिला ने दी जान

मचा हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी..

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 09 जून 2024 (घटती-घटना)।

संभाग मुख्यालय अंबिकापुर में आज रविवार को कथित तौर पर एक महिला ने निजी अस्पताल के तीसरी मंजिल से कूद आत्म हत्या कर ली। महिला ने यह कदम क्यों उठाया अभी इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। सीएसपी रोहित शाह ने बताया कि बाबूपारा निवासी 50 वर्षीया महिला बेला यादव पति सुदामा यादव ने आज 9 जून को परिजनों से कहा कि वह पैसा निकालने बैंक जा रही है, घरवालों द्वारा रविवार अवकाश होने की जानकारी दिए जाने पर उन्होंने यह कहा कि बीपी जांच कराना है और घर से निकल गई। दोपहर के समय रिंग रोड नमनाकला स्थित शिशु मंगलम अस्पताल के बाहर दीवार के नीचे झाड़ियों के बीच वह संदिग्ध परिस्थितियों में अचेत मिली। यह खबर मिलने पर उन्हे तत्काल लाइफलाइन अस्पताल में लेकर पहुंचे जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया है। उन्हे छत से छलांग लगाते किसी ने नहीं देखा। घटना स्थल को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि संभवतः अस्पताल के छत से कूदकर उन्होंने जान दी है। उन्होंने यह कदम क्यों उठाया अभी इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। निजी अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मर्चुरी कक्ष में रखा गया है। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना की जा रही है। परिजनों में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

राजनीतिक सुलह के लिए इमरान गंभीर नहीं, शरीफ बोले- उनकी पार्टी बदले की भावना से काम नहीं करती

नई दिल्ली,09 जून 2024। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने एक और पूर्व पीएम इमरान खान को देश में राजनीतिक सुलह के रास्ते में मुख्य बाधा बताया है। शरीफ ने राजनीतिक सुलक के लिए बातचीत के प्रति सत्तारूढ़ पीएमएल-एन पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि वह बदले की भावना से काम नहीं करती है। शरीफ ने यह टिप्पणी शुक्रवार शाम को पार्टी सीनेटरों के साथ एक बैठक के दौरान की। इस बैठक में इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के साथ बातचीत

के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई।

सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शरीफ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री खान खुद वार्ता की प्रक्रिया में गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं, जो सार्थक वार्ता के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। नवाज ने पार्टी सांसदों से कहा, जब कोई गंभीर नहीं है तो कोई कैसे बातचीत कर सकता है? शरीफ (74) ने अतीत की उन घटनाओं का जिक्र किया, जब खान ने दोस्ती के प्रस्ताव ठुकराए थे। शरीफ ने कहा यह रचनात्मक वार्ता करने के प्रति अनिच्छा का संकेत है। पूर्व प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, ÷मैं खुद बानी गाला (इमरान खान के घर) गया। हमारी ईमानदारी को हमारी कमजोरी माना जाता है।। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद बातचीत के महत्व को रेखांकित करने के लिए नवाज ने कड़े विरोध का सामना करने के बावजूद दिवंगत प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के साथ अपनी मुलाकात का उदाहरण दिया।

विविध धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मना भगवान शिव परशुराम मंदिर का प्रथम वार्षिकोत्सव

- संवाददाता -
सूरजपुर,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

शनिवार को रिंगरोड स्थित भगवान शिव परशुराम मंदिर में उत्साह के साथ मना स्थापना दिवस।इस मौके पर सुबह से ही पूजा पाठ का दौर चलता रहा जबकि शाम को भव्य शोभा यात्रा निकाली गई वहीं रात में जगराते का आयोजन किया गया।भगवान शिव परशुराम मंदिर के स्थापना दिवस पर भगवान भोले नाथ व परशुराम जी का अभिषेक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। इस दौरान भगवान शिव व परशुराम जी का महाश्रृंगार किया गया। ततपश्चात हवन, ध्वजारोहण के बाद महाआरती की गई।आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे थे। दोपहर 3 बजे से मातृ शक्ति द्वारा छोटे बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बच्चे शिव , पार्वती , श्री राम जानकी हनुमानजी सहित अन्य देवी देवताओं के रूप में आकर सबको मोहित कर लिया। महिला वर्ग की रंगोली प्रतियोगिता में पर्यावरण , नारी स्वाभिमान सहित अन्य ज्वलंत विषयों पर आधारित आकर्षक रंगोली बनाई गई। अपराह्न में श्री परशुराम युवा वाहिनी द्वारा आकर्षक झांकी से सुसज्जित श्री शिव परिवार एवं परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा श्री परशुराम धाम से निकाली गई। जो नगर के सभी मुख्य मार्गों के भ्रमण पश्चात परशुराम धाम वापस पहुचीं ।जहाँ संध्याकाल महाआरती एवं महाप्रसाद का भोग का आयोजन किया गया और फैंसी ड्रेस एवं रंगोली के प्रतिभागियों को पुरष्कृत किया गया।रात में नगर की धार्मिक संस्था श्री नवयुवक दुर्गा मण्डल एवं बाहर से आये हुए कलाकारों के द्वारा आकर्षक झांकियो के बीच मनमोहक भजनो की प्रस्तुति दी गई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु झूमते रहे। इस आयोजन में ब्राह्मण समाज के साथ साथ अन्य समाज के लोग भी भागीदार रहे।

जिला चिकित्सालय में इंसानों के अस्पताल में विचरण कर रहे मवेशी

क्या यही है प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल ?

क्या सीएमएचओ सीएस स्वास्थ्य मंत्री के रिश्तेदार प्रभारी डीपीएम की खातेदारी में व्यस्त...स्वास्थ्य व्यवस्था मरीजों की जिम्मेदारी ?

सूरजपुर जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट, कर्मचारी व जिम्मेदार हुए बेपरवाह,नहीं है इन्हें किसी का डर

कोरिया जिले के मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी की तरह सूरजपुर जिले के भी मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी प्रभारी डीपीएम के गिरफ्त में ?

कोरिया जिले के मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी के बाद सूरजपुर के मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी की कौन सी नस दबा दी प्रभारी डीपीएम ने कि वह भी उसके हुए मुरीद ?

जिला अस्पताल में मवेशी विचरण के बाद छोटे कर्मचारियों पर गाज गिरना तय

जिला चिकित्सालय सूरजपुर में मवेशी विचरण का वीडियो वायरल होने के बाद छोटे कर्मचारियों पर गज गिरना तय है, क्योंकि आज तक ऐसा ही होता आया है, होना भी चाहिए क्योंकि छोटे कर्मचारी भी इस समय लापरवाह हो चुके हैं, पर सवाल यहीं खत्म नहीं होता सवाल तो यह भी है कि आखिर अधिकारियों की कार्यप्रणाली कैसी है की छेटे कर्मचारियों अधिकारियों की बात मानने को तैयार नहीं है? उल्टा अधिकारियों व कर्मचारियों के बीच तू तू मैं की भी स्थिति निर्मित हो जाती है, बाकी मरीजों के साथ तो कर्मचारियों का व्यवहार किसी से छुपा नहीं है, इसके पीछे की वजह यह भी बताई जाती है कि अधिकारी के अंदर इतनी कमियां है कि कर्मचारी ही उन पर हावी हो जाते हैं यदि अधिकारी सही होते तो शायद कर्मचारियों उन्हे आंख नहीं दिखा पाते? कर्मचारी अधिकारियों की इतनी कमियां जानते है कि उन्हें ब्लैकमेल कर देते हैं और फिर कर्मचारी अपनी ही मनमानी पर उतरे रहते हैं ऐसा सूत्रों का मानना है।

प्रभारी डीपीएम का अपना कार्यालय छोड़ मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय में बैठे रहने के पीछे क्या है मजबूरी ?

अब आप कहेंगे कि जब बात जिला चिकित्सालय की हो रही है तो फिर प्रभारी डीपीएम कहां से आ गए, तो आपको बता दे कि जब-जब स्वास्थ्य विभाग की कमियों की बात आएगी तो नई नवेली डीपीएम साहब की भी बात आएगी क्योंकि इनका हस्तक्षेप हर तरफ रहता है, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के ऊपर पूरे जिले के स्वास्थ्य व्यवस्था की जिम्मेदारी होती है पर शायद वह यह जिम्मेदारी निभा नहीं पा रहे? क्योंकि दिन भर प्रभारी डीपीएम के साथ बैठकर न जाने ऐसा कौन सा मीटिंग होता है की रोज प्रभारी डीपीएम उन्ही के कार्यालय में ही बैठे मिल जाएगे, विश्वस्त सूत्रों का ऐसा मानना है, यदि विश्वस्त सूत्रों की जानकारी सही है तो सवाल उठना लाजमी है कि सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम की आखिर क्या ऐसी मजबूरी है की वह अपना कार्यालय छोड़कर मुख्य चिकित्सा एवम अधिकारी के कार्यालय में ही बैठे रहते हैं। वैसे प्रभारी डीपीएम की यह आदत में शुमार व्यवहार है और वह अपना कार्यालय छोड़ अपने मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी या कलेक्टर के कार्यालय में बैठना ज्यादा पसंद करते हैं और अधिकारियों को अपने प्रभाव में लाने का कोशिश करते हैं, सूरजपुर कलेक्टर तो प्रभारी डीपीएम को ज्यादा भाव नहीं दे रहे हैं पर वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी कुछ ज्यादा ही प्रभारी डीपीएम को भाव दे रहे हैं, प्रभारी डीपीएम कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के ऊपर प्रभाव का अपना दबाव बनाने में लगे रहते हैं, यही उनकी आदत रही है ,कोरिया जिले का उनका कार्यकाल कुछ ऐसा ही बताता है की उन्हें आराम पसंद है और जुगाड से प्रभाव से अपना काम करने में माहिर हैं, जिसके लिए वह कभी किसी नेता का भतीजा बन जाते हैं तो कभी किसी नेता विधायक मंत्री का।

क्या कोरिया के मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी की तरह सूरजपुर के मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी भी प्रभारी डीपीएम के लिए बने मुकदर्शक

सूत्रों की माने तो प्रभारी डीपीएम सूरजपुर कोरिया जिले से भेजे गए हैं। वह भी कैसे पहुंचे हैं यह भी किसी से छुपा नहीं है, यदि स्वास्थ्य मंत्री उनके रिश्तेदार ना होते तो शायद आज वह सूरजपुर नहीं कहीं और होते, स्वास्थ्य मंत्री की कृपा से ही वह सूरजपुर जिले में है और अपना नर्सिंग कॉलेज व अपना प्रभारी डीपीएम का कार्यकाल एक साथ देख पाने में सफलता हासिल कर पा रहे हैं, बता दें कि सूरजपुर के वर्तमान प्रभारी डीपीएम कोरिया जिले में इतना प्रभाव रखते थे की मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी कोरिया उनके मामले में मौन रहते थे। उनके जाने के बाद भी कोरिया के मुख्य चिकित्सा अधिकारी उबर नहीं पाए हैं आज भी प्रभारी डीपीएम का प्रभाव उसके कार्यालय में देखा जा सकता है, कलेक्टर कोरिया से उनकी घनिष्ठता और उनकी कांग्रेस सरकार के कार्यकाल की शासन स्तर पर पकड़ इतना असरदार था कि मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारियों कोरिया जिले के क्रमशः रहता था की उनके मामले में मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी मुकदर्शक ही बने रहते थे चाहे वह कितनी भी मनमानी कर लें। अब उसी तरह की छूट उन्हें सूरजपुर जिले में भी मिलती नजर आ रही है स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे को जिले के मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी कांग्रेस के पूर्व विधायक के रिश्तेदार के रूप में मिला है, तो वहीं जिला चिकित्सालय के अधीक्षक जो स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी के भाई के रूप में और स्वास्थ्य मंत्री डीपीएम के चाचा अब कौन उन्हें रोकेगा किसकी हिम्मत होगी?

कांग्रेस के पूर्व विधायक के रिश्तेदार सीएमएचओ...स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी के भाई सीएस...प्रभारी डीपीएम स्वास्थ्य मंत्री के रिश्तेदार...क्या सूरजपुर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था मरीजों की जिम्मेदारी ?

सूरजपुर जिले का जिला चिकित्सालय पहले संभाग के सबसे अच्छे जिला अस्पतालों में गिना जाता था। जब से सूरजपुर जिले का मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी पूर्व विधायक के रिश्तेदार को बनाया गया तब के बाद से स्थितियां बद से बदतर होती गई, कांग्रेस सरकार में विधायक के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रिश्तेदार रहे तो वही स्वास्थ्य मंत्री के विधायक काफी करीबी थे जिस वजह से मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी सूरजपुर को संरक्षण मिलता रहा, अब सरकार बदलने के बाद भी उन्हें संरक्षण मिलेगा क्योंकि कांग्रेस के दिग्गज नेता व कई बार के विधायक के वह रिश्तेदार हैं और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री से भी संबंध अच्छे हैं? बताया जा रहा है की जबसे वर्तमान डीपीएम सूरजपुर जिले के प्रभार में जिले में पहुंचे हैं तब से मुख्य चिकित्सा अधिकारी व सिविल सर्जन का बर्ताव बदल गया है तभी से जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था और खराब होती जा रही है, सीएमएचओ, सीएस और डीपीएम की साझेदारी में जिला चिकित्सालय की जिम्मेदारी अब मरीजों के जिम्मे है। गाय विचरण कर रहे हैं अस्पताल में और प्रश्न उठाने पर कर्मचारी पत्रकार को ही विडियो बनाने का अभिनय कर पत्रकार को धमकाने का प्रयास कर रहे हैं। बता दें कि स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे ही जिले के डीपीएम हैं उनके ओएसडी के भाई सिविल सर्जन तो वहीं कांग्रेस पूर्व विधायक सीएमएचओ रिश्तेदार हैं, यह एकमात्र कारण है की जिले में स्वास्थ्य विभाग अब अव्यवस्था के दौर से गुजर रहा है क्योंकि बोलेगा कौन।

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री के रिश्तेदार प्रभारी डीपीएम की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही

एनएचएम में मलाई खा चुके प्रभारी डीपीएम उस मलाई का स्वाद क्या अपने अधिकारियों को भी चखा रहे हैं जिस वजह से वह मुरीद है उनके ?

सूरजपुर नए नवेले प्रभारी डीपीएम का हर तरफ दिख रहा हस्तक्षेप,कोरिया के तर्ज पर सूरजपुर में भी करना चाह रहे काम ?

-भूपेन्द्र सिंह-
सुरजपुर/ अंबिकापुर,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

सुरजपुर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था का क्या हाल है यह एक वायरल विडियो देखकर समझा जा सकता है जिसमे जिला चिकित्सालय में एक गाय विचरण कर रही है वह भी अस्पताल भवन के अंदर जहां मरीज इलाज के लिए लाइन लगाकर खड़े हैं या पर्ची कटा रहे हैं। वायरल विडियो एक पत्रकार द्वारा मोबाइल से बनाया गया है और जब उसके द्वारा इस संदर्भ में पूछा जाता है की क्यों अस्पताल में गाय विचरण कर रही है तब उसी का विडियो अस्पताल स्टाफ बनाने लगता है और गाय को अस्पताल से बाहर निकालने की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। सुरजपुर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था और वहां से जिला चिकित्सालय का पहले काफी नाम था काफी उत्तम व्यवस्था इलाज सहित अस्पताल की आंतरिक व्यवस्था की वहां रहती थी यह बताया जाता था लेकिन हाल फिलहाल में बताया जाता है की जिला अस्पताल सहित जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल बेहाल है और जिसका ही उदाहरण है की गाय भी अस्पताल में विचरण कर रही है। मरीजों के इलाज के लिए उन्हे केवल दवा की ही जरूरत नहीं होती अस्पताल की साफ सफाई और सुरक्षित वातावरण भी मरीज के इलाज में कारगर होता है और जिस तरह खुलेआम दिन में अस्पताल स्टाफ की नजरों सामने अस्पताल भवन के भीतर गाय विचरण कर रही है माना जा सकता है की गाय के अलावा अस्पताल में अन्य पशु जानवर भी विचरण करते होंगे जो इलाज के लिए आए मरीजों के लिए घातक भी हो सकते हैं नुकसान दायक भी हो सकते हैं। वैसे हाल फिलहाल में ही जिले के सीएस अधिकारी भी जिले में नया नया प्रभार ग्रहण किए हैं वहीं जिले के प्रभारी डीपीएम भी नए हैं और दोनों ही स्वास्थ्य मंत्री के खास हैं एक उनके भतीजे हैं वहीं एक उनके ओएसडी के भाई जिस वजह से उन्हे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था के गिरते स्तर से ज्यादा सरोकार नहीं है क्योंकि वह जानते हैं या मानकर चल रहे हैं की उनके विरुद्ध कार्यवाही करने की हिम्मत कम से कम उच्च अधिकारी नहीं जुटा पाएंगे क्योंकि उनका सीधा संबंध विभाग के मंत्री से है। जिले में बना जिला चिकित्सालय ज्यादा पुराना नहीं है वहीं भवन भी नए तर्ज पर बना हुआ है जहां हर तरह की सुरक्षा सहित मरीजों की सुविधा का ध्यान रखा गया है वहीं उन सुरक्षा व्यवस्था को पशु धता बताकर चिकित्सालय में प्रवेश कर रहे हैं जो दृश्य बताता है की जिम्मेदार कितने निश्चिंत हैं कितने लापरवाह हैं। वैसे वीडियो वायरल होने उपरांत जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था और खासकर जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य व्यवस्था कैसी है जिम्मेदार कितने जिम्मेदार हैं देखा जा सकता है। वैसे सैयां भए कोतवाल तो डर काहे का कहावत यहां इस मामले में लागू होती नजर आ रही है क्योंकि जब पत्रकार अस्पताल स्टाफ से पशु विचरण की बात पर प्रश्न करता है तब गाय भगाने की बजाए पत्रकार को ही भयभीत करने का प्रयास किया जाता रहा और उसका विडियो बनाने का उपक्रम नजर आया।

सूरजपुर नए नवेले डीपीएम का हर तरफ दिख रहा हस्तक्षेप कोरिया के तर्ज पर सूरजपुर में भी करना चाह रहे काम ?

सुरजपुर के प्रभारी डीपीएम कोरिया जिले की तर्ज पर काम कर रहे हैं जिले में । वह मंत्री का भतीजा बनकर दबाव कायम कर अधिकारियों पर पूरे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में हस्तक्षेप करना शुरू कर चुके हैं जिसके बाद से ही जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था बदतर होती जा रही है।वैसे यह कहना गलत नहीं होगा की यदि दो चार महीने भी डीपीएम रह गए जिले में कोरिया जिले की तरह वेंटीलेटर पर होगी सूरजपुर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था जिसमे कोई संदेह भी नही है उनकी कार्यप्रणाली देखते हुए पुरानी।

किस सचिव व किस मंत्री से फोन करा दिए की सभी लोग प्रभारी डीपीएम के नखरे उठाने लगे ?

सुरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम की धमक जिले में है।स्वास्थ्य विभाग में उनकी तूती बोलने लगी है।अब किसी सचिव किस मंत्री से उन्होंने फोन कराया पता नहीं लेकिन मैं स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा हूं यही मात्र मेरी योग्यता है वह हर जगह बोलना नहीं भूलते और इसी आधार पर वह स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए घातक बन चुके हैं जहां भी वह जाते हैं।

पूरे आचार संहिता के दौरान जिला मुख्यालय से रहे बाहर पर जानकर भी लोग बने रहे अनजान क्यों ?

प्रभारी डीपीएम लोकसभा चुनाव के लिए लगी आचार संहिता के दौरान पूरे समय जिले से मुख्यालय से बाहर रहे। बता दें की वह सूरजपुर में कार्यरत जिले से दूरी बनाए रखे और उनके बाहर रहने को लेकर कोई सवाल नहीं उठा और जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई,वैसे बताया जाता है की वह कोरिया जिले में अपने कार्यकाल की गड़बड़ियों की लीपापोती में लगे रहते हैं फिलहाल वहीं स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा बताकर खुद को वह कार्यवाही से बच निकलते हैं और मुख्यालय से बाहर रहते हैं।

सीएमएचओ कांग्रेस पूर्व विधायक खेल साय सिंह का रिश्तेदार है

सुरजपुर जिले के सीएमएचओ पूर्व विधायक के रिश्तेदार है यह बताया जा रहा है और वह तब सीएमएचओ बनाए गए थे जब कांग्रेस की प्रदेश में सरकार थी और पूर्व विधायक के ही राजनीतिक संरक्षक माने जाने वाले पूर्व अंबिकापुर विधायक स्वास्थ्य मंत्री थे। अब सरकार जाने के बाद भी वही जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था सम्हाल रहे हैं।

सूरजपुर जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट कर्मचारी व जिम्मेदार हुए बेपरवाह, नहीं है इन्हें किसी का डर

सूरजपुर जिले की स्वास्थ्य विभाग की स्थिति दयनीय होती जा रही है। जिले के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी बेपरवाह हो चुके हैं क्योंकि उनका मानना है की स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा वहां डीपीएम है वहीं स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी का भाई वहां विभाग का सिविल सर्जन है तो वही मुख्य चिकित्सा अधिकारी कांग्रेस के कई बार के विधायक सांसद रहे खेल साय सिंह के रिश्तेदार है सैयां भए कोतवाल तो डर काहे का वाला मामला जिले में समझा जा रहा है और यह माना जा रहा है की सबकुछ जब नियंत्रण में है तो बेहतर क्यों बना जाए।

कोरिया जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी की तरह सूरजपुर जिले के भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डीपीएम की गिरफ्त में ?

कोरिया जिले में डीपीएम रहते हुए वर्तमान के सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम ने मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारियों कोरिया के को क्रमशः गिरफ्त में ले रखा था अब वह सूरजपुर में भी वही काम कर रहे हैं और वहां भी अब मुख्य चिकित्सा अधिकारी उसकी गिरफ्त में है। वैसे मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी सूरजपुर पूर्व विधायक के दमाद है सिविल सर्जन के भाई भी स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी हैं और डीपीएम स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे ऐसे में एक तरह से यह जुगल जोड़ी भी है जो जिले में अब स्वास्थ्य व्यवस्था को हाशिए पर डाल रही है।

प्रभारी डीपीएम के पास ऐसा क्या है की विभाग के लोग उनके सामने नतमस्तक हो जाते हैं ?

सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम बड़ी योग्यता वाले हैं वह गोल्ड मेडलिस्ट हैं या फिर कोई विशेषज्ञ चिकित्सक ऐसा नहीं है,उनकी डिग्री भी फर्जी है ऐसा उनके विरुद्ध आरोप है और जिसकी जांच की मांग है फिर भी वह विशेषज्ञ चिकित्सकों के लिए निर्देश जारी करते हैं और उन्हे अपने वश में रखना चाहते हैं।बता दें की वह ऐसा कर पाने में सफल भी हैं, अब सवाल यह उठता है की जिसकी डिग्री योग्यता फर्जी है उसके डिग्री को लेकर यदि यह आरोप है तो फिर क्यों लोग उसके सामने नतमस्तक हैं खासकर योग्य विशेषज्ञ यह बड़ी बात है। वैसे स्वास्थ्य विभाग में कोई फर्जी बड़ी जिम्मेदारी निभा रहा है शिकायत अनुसार यह जांच आवश्यक है क्योंकि शिकायत बार बार हुई है उसकी डिग्री को लेकर।

कोरिया के मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी के बाद सूरजपुर के मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी की कौन सी नस दबा दी कि वह भी उसके हुए मुरीद?-

डीपीएम सूरजपुर पहले कोरिया जिले के प्रभारी डीपीएम थे तब वह जिले के सीएमएचओ जो उनके कार्यकाल में दो रह चुके हैं के ऊपर हावी थे।एक कांग्रेस कार्यकाल के दौरान थे एक उसी दौरान नियुक्त हुए लेकिन उनका कार्यकाल जारी है। अब दो दो विशेषज्ञ चिकित्सक साथ ही जिले के आला अधिकारी स्वास्थ्य विभाग की कौन सी नस प्रभारी डीपीएम की दबा के रखे थे की वह उनके मुरीद थे।बताया जाता है तब डीपीएम एक विधायक का रिश्तेदार बनकर वह सभी पर दबाव डालते थे। अब सत्ता परिवर्तन के बाद वह सूरजपुर जिले के डीपीएम हैं वहां भी सीएमएचओ उनकी गिरफ्त में हैं ऐसा क्यों उनकी कौन सी नस वह दबा रखे हैं यह भी एक सवाल खड़ा होता है। वैसे स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी के भाई है सीएस और भतीजा हैं डीपीएम।

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री के रिश्तेदार प्रभारी डीपीएम की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही

मैं स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा हूं। सुरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम की कुल योग्यता यही है। स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा हूं कहकर वह उच्च अधिकारियों पर दवाब बनाते है भ्रष्टाचार करते हैं यह कई बार बात सामने आ चुकी है।अब उनकी मनमानी कौन रोकेगा पता नहीं लेकिन उनकी डिग्री फर्जी है यह शिकायत हुई है जिसकी जांच आवश्यक है।वैसे कौन सी डिग्री है उनके पास जिसको फर्जी बताया जा रहा है क्या वह सही में फर्जी है या जुगाड वाली है यह जांच जरूरी है। वैसे केवल मंत्री का भतीजा हूं कहकर यदि कोई मनमानी करे वह भी लोगों के स्वास्थ्य मामले में यह बेहतर संकेत नहीं प्रदेश के लोगों के लिए।

एनएचएम में मलाई खा चुके प्रभारी डीपीएम उस मलाई का स्वाद क्या अपने अधिकारियों को भी चखा रहे जिस वजह से वह मुरीद है इनके ?

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मलाई खा चुके डीपीएम जिले में क्या अधिकारियों को भी वही मलाई परोस रहे हैं। बता दें की यह वही डीपीएम हैं जो वैश्विक महामारी के दौरान कोरिया जिले में प्रभारी थे और जमकर इन्होंने कुछ ऐसा किया था एक लिपिक के साथ मिलकर की की कई शिकायत इनकी हुई थी वहीं वह लिपिक भी आज काफी संपन्न है।वैसे उस समय महामारी में काफी बंदरबांट हुई स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर शासकीय राशि की और इसीलिए अधिकारी मुरीद थे डीपीएम के यह माना जाता है वहीं अब सूरजपुर में भी प्रभारी डीपीएम वही मलाई वहां के अधिकारियों को खिला रहे हैं इसलिए वह अनेक मुरीद हैं यह भी माना जा रहा है।

CMYK

कोरबा लोकसभा में मंत्री के गृह क्षेत्र में हुई है 14 हजार की हार...क्या स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी पर गिरेगी गाज ?

कोरबा लोकसभा की हार पर सख्त नाराज है भाजपा का केंद्रीय नेतृत्वःसूत्र, प्रदेश के एकलौते मंत्री जिनके विधानसभा क्षेत्र से हुई है भाजपा उम्मीदवार की हार

मंत्री के इर्द गिर्द सक्रिय रहा संघ विरोधी युवक...कार्यकर्ता हुए दूर...कांग्रेसियों से मित्रता निभाते रहे मंत्री जी?...स्वास्थ्य मंत्री का विवादित कुनबा भी हार का जिम्मेदार

गृह क्षेत्र में कम हुई लोकप्रियता

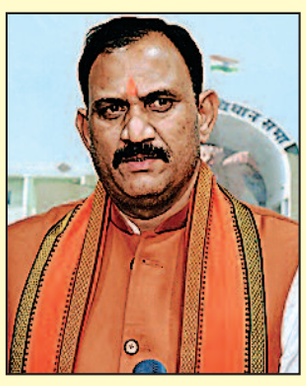

प्रदेश की मनेंद्रगढ़ विधानसभा से विधायक निर्वाचित होकर श्यामबिहारी जायसवाल को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया है,उनका गृह क्षेत्र खड़गवां ब्लॉक है। लोकसभा परिणाम के आंकड़ों पर गौर करें तो देखने को मिलता है कि स्वास्थ्य मंत्री के गृह क्षेत्र से ही भाजपा उम्मीदवार 14 हजार से अधिक मतों से पीछे रह गई हैं। खड़गवां क्षेत्र में 62 मतदान केंद्र हैं जिनमें से 50 से अधिक केंद्रों में भाजपा को कांग्रेस की तुलना में 14325 वोट कम मिले हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को यह सीट जिताने की जिम्मेदारी दी गई थी लेकिन लोकसभा के साथ साथ अपने गृह क्षेत्र से भाजपा का पिछड़ना शर्मनाक है।

विधानसभा से भी कम वोट मिले

प्रदेश में विधानसभा का चुनाव नवंबर 2023 में हुआ था, उस दौरान स्वास्थ्य मंत्री के विधानसभा मनेंद्रगढ़ में भाजपा को 48 हजार से अधिक मत प्राप्त हुए थे लेकिन 5 माह बाद हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को मात्र 42193 मत प्राप्त हुए हैं। लगभग 6 हजार मत कम होना स्वास्थ्य मंत्री की लोकप्रियता पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रहा है।

क्यों कम हुई मंत्री की लोकप्रियता ?

स्वास्थ्य मंत्री के विधानसभा के साथ साथ उनके गृह क्षेत्र से भाजपा का पिछड़ना कई सवालों को जन्म दे रहा है। इससे साफ दिखाई दे रहा है कि क्षेत्र में मंत्री की लोकप्रियता कम हो गई है। क्षेत्र में यह चर्चा का विषय है कि मंत्री बनने के बाद उनके कार्य व्यवहार में कमी आ गई है,जनता से दूरी बढ़ रही है। क्षेत्र में अराजकता का माहौल निर्मित हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्री के यहां पदस्थ स्टाफ खुद को मंत्री से कम नहीं आंख रहे हैं। ऐसे ऐसे स्टाफ है जो लोगो को नजर अंदाज करते हैं। यदि कोई व्यक्ति किसी आवश्यक कार्यवश मंत्री से बात करना चाहे तो स्टाफ के माध्यम से बात भी नही हो पाती। मंत्री के स्टाफ सत्ता के नशे में इस कदर चूर हैं कि वे जल्दी से किसी का कॉल रिसीव करना भी जरूरी नहीं समझते।

क्या औपचारिकता निभा रहे थे स्वास्थ्य मंत्री ?

लोकसभा चुनाव में स्वास्थ्य मंत्री ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ठीक से नहीं किया, उनकी सक्रियता उतनी नहीं थी जितनी खुद के चुनाव के दौरान थी। स्वास्थ्य मंत्री के विधानसभा क्षेत्र से आया परिणाम उनके मेहनत की ओर साफ इशारा कर रहा है। चुनावी प्रक्रिया के दौरान भी देखने में मिला कि स्वास्थ्य मंत्री दिन भर में कुछ स्थानों पर ही चुनावी कार्यक्रम करते थे,बाकी समय चुनावी मैदान से गायब रहा करते थे। स्वास्थ्य मंत्री के क्षेत्र में कार्यकर्ता भी इसी वजह से निष्क्रिय थे,मंत्री की निष्क्रियता के कारण और सिर्फ मोदी लहर के भरोसे सभी घर पर बैठे थे। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि लोकसभा सीट जिताने की जिम्मेदारी होने के बावजूद स्वास्थ्य मंत्री औपचारिकता निभा रहे थे।

आखिर किसके इशारे पर चल रहे थे मंत्री

कोरबा लोकसभा से इस बार अनेक उम्मीदवार सामने आ रहे थे जिसमे से कई ऐसे दावेदार थे जो मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के काफी करीबी थे। करीबी दावेदार के साथ मिलकर चुनावी रणनीति भी बैठा ली गई थी लेकिन केंद्र की नजर में ऐसे दावेदार भी कमजोर आंके गए थे। जिसके बाद स्वयं केंद्रीय नेतृत्व ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय को कोरबा लोकसभा से चुनाव लड़ने के लिए भेजा था। पूरे चुनावी प्रक्रिया के दौरान स्वास्थ्य मंत्री की सक्रियता चर्चा का विषय रही। भाजपा सूत्रों का कहना है कि कोरबा लोकसभा के स्थानीय नेता भविष्य में अपनी राजनीति को लेकर चिंतित थे, उन्हें लगने लगा था कि यदि सरोज पांडेय चुनाव जीत जाती हैं तो फिर आगे की राजनीति में असर पड़ेगा, और इसी वजह से भीतर ही भीतर कोरबा लोकसभा के अनेक नेताओं ने सरोज पांडेय के विरोध में एक गुट तैयार किया और एक रणनीति के तहत काम किया जिससे कि सरोज पांडेय को हार का सामना करना पड़ा है। सवाल उठना लाजमी है की स्वास्थ्य मंत्री आखिर किसके इशारे पर काम कर रहे थे।

विस	भाजपा	कांग्रेस	लीड	
मरवाही	51960	39231	12078	भाजपा
बैकुंठपुर	66866	41453	25413	भाजपा
मनेन्द्रगढ़	48503	36603	11880	भाजपा
भरतपुर-सोनहत	54933	50186	4749	भाजपा
रामपुर	70788	93647	22869	कांग्रेस
कोरबा	92029	66400	25629	भाजपा
कटघोरा	73680	56780	16900	भाजपा
पाली-तानाखार	46522	60148	13626	कांग्रेस

नोटः पाली-तानाखार से गोंगपा 60862 मत प्राप्त कर 537 वोट से जीती।

-संवाददाता-
कोरबा/कोरिया,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश में लोकसभा की 10 सीट जीतने के बाद भी 1 सीट पर भाजपा की हार को केंद्रीय नेतृत्व गंभीरता से ले रहा है, नाराजगी इस कदर है कि जल्द ही इस क्षेत्र से आने वाले मंत्री पर गाज गिर सकती है। ज्ञात हो कि प्रदेश में 11 लोकसभा सीट है जिनमे से 10 सीट पर भाजपा प्रत्याशियों की जीत हुई है जबकि 1 सीट कोरबा लोकसभा में भाजपा उम्मीदवार की हार हो गई, प्रथम दृष्ट्या जो रिपोर्ट मिली है उसके अनुसार इस लोकसभा से आने वाले मंत्री, विधायकों ने चुनाव में सक्रियता नही दिखलाई जिससे हार का मुंह देखना पड़ा है। केंद्रीय नेतृत्व ने कोरबा से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय को उम्मीदवार बनाया था, इस सीट पर सीधे केंद्रीय नेतृत्व की नजर थी। एक बड़ा कारण है कि इस लोकसभा से आने वाले मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के विधानसभा से भी भाजपा की हार हुई है, खुद उनके गृह क्षेत्र से 14 हजार से अधिक वोटो की हार समझ से परे है। श्री जायसवाल एकमात्र ऐसे मंत्री हैं जिनके विधानसभा से भाजपा की हार हुई है, अन्य सभी मंत्रियों केविधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशियों ने बढ़त लिया था।

कोरबा लोकसभा सीट में विधानसभावार प्राप्त मत

विधानसभा	कांग्रेस	भाजपा
भरतपुर सोनहत	65155	57689
मनेन्द्रगढ़	44725	39797
बैकुंठपुर	62447	60514
रामपुर	87772	74584
कोरबा	53714	104182
कटघोरा	75934	71615
पाली तानाखार	9925	51178
मरवाही	78495	60227

कोरबा की 8 विधानसभा सीटों पर इतने फीसदी पड़े वोट

- बैकुंठपुर 80.23 %
- भरतपुर-सोनहत 82.45%
- कटघोरा 74.81%
- कोरबा 63.18%
- मनेंद्रगढ़ 71.46%
- मरवाही 78.62%
- पाली तानाखार 79.58%
- रामपुर 77.80%

केंद्रीय नेतृत्व नाराज,हो सकती है कार्यवाही

प्रदेश में 10 सीट जीतने के बाद भी कोरबा लोकसभा सीट की हार को केंद्रीय नेतृत्व ने काफी गंभीरता से लिया है, सूत्रों का कहना है कि चुनाव परिणाम के दिन दिल्ली से लगातार कोरबा सीट को लेकर जानकारी ली जा रही थीं। इससे पता चलता है कि नेतृत्व इस सीट को लेकर कितना गंभीर था। कोरबा लोकसभा सीट पर स्वयं गृह मंत्री अमित शाह एवं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभा की थी,प्रदेश के सीएम विष्णु देव साय ने भी कई जगह चुनावी सभा ली। स्वास्थ्य मंत्री के विधानसभा अंतर्गत चिरमिरी में बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री का कार्यक्रम भी कराया गया। प्रत्याशी सरोज पांडेय भी स्वयं दो महीने तक क्षेत्र में सक्रिय थीं। उसके बाद भी कोरबा सीट पर हर केंद्रीय नेतृत्व को नागवार गुजरा हैं।परिणाम आने के बाद से सरोज पांडेय खुद दिल्ली में मौजूद हैं,और उनके द्वारा केंद्रीय नेतृत्व को सारी जानकारी दिए जाने की बात भी कही जा रही है। केंद्रीय नेतृत्व स्थानीय मंत्री,विधायक और संगठन से नाराज है,आने वाले समय में इसका असर देखने को मिल सकता है।

स्वास्थ्य मंत्री का कुनबा विवादित

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के साथ काम करने वाले अनेक स्टाफ विवादित हैं जो कि जनता और कार्यकर्ताओं से थोड़ा भी हमदर्दी नही रखते हैं। स्वास्थ्य मंत्री के साथ काम कर रहे एक अधिकारी पर फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी हासिल करने के आरोप है,जांच भी हुई लेकिन आगे कार्यवाही नही हुई क्योंकि उक्त अधिकारी के एक भाई पूर्व सीएम भूपेश बघेल के ओएसडी थे। इसलिए भूपेश सरकार में कार्यवाही की फाइल दब गई थी। उक्त अधिकारी द्वारा अपने एक भाई को सूरजपुर स्वास्थ्य विभाग में सर्वे सर्वा बनवा दिया गया है। एक अन्य अधिकारी भी पदस्थ हैं जो कई मामले में विवादित रहे हैं। विवादित अफसरों के कुनबे के साथ काम कर रहे स्वास्थ्य मंत्री के कारण छत्तीसगढ़ सरकार स्वास्थ्य के मामले में बैकफुट पर है।

अन्य सभी मंत्रियों ने अपने विधानसभा से दिलाई बढ़त

प्रदेश में भाजपा ने लोकसभा की 10 सीट पर जीत हासिल की है, दुर्भाग्य ही माना जाए कि कोरबा लोकसभा सीट से दो मंत्री होने के बावजूद हार हुई है। आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि प्रदेश के सभी मंत्रियों ने अपने अपने विधानसभा से लोकसभा उम्मीदवारों को जीत दिलाई है, लेकिन स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के विधानसभा क्षेत्र मनेंद्रगढ़ से भाजपा उम्मीदवार 4500 से अधिक मतों से पीछे रह गईं जो कि मंत्री के नेतृत्व पर सवाल खड़ा करता है।

मंत्री लखन देवांगन के विधानसभा से 50 हजार की बढ़त

बीते दिसंबर माह में प्रदेश में मंत्रिमंडल का गठन लोकसभा चुनाव को ध्यान रखते हुए किया गया था, और इस लिहाज से कोरबा लोकसभा से दो मंत्री बनाए गए थे। इस लोकसभा से वाणिज्य और उद्योग मंत्री लखन देवांगन कोरबा विधानसभा से आते हैं जबकि स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल मनेंद्रगढ़ विधानसभा से। लोकसभा चुनाव में कोरबा विधानसभा से भाजपा को 50 हजार से अधिक मतों की लीड मिली है जबकि मनेंद्रगढ़ विधानसभा से 4500 से अधिक मत से हार हुई है। केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष यह सारे आंकड़े प्रस्तुत हो चुके हैं जैसा भाजपा सूत्रों का कहना है।

पड़ोस के विधानसभा में नही पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री

जिस मंत्री को लोकसभा चुनाव जिताने की जिम्मेदारी हो वह अपने विधानसभा को छोड़ पड़ोस के विधानसभा में भी प्रचार प्रसार करने न गया हो तो सवाल उठना भी लाजमी है। चुनाव के दौरान देखने में मिला की स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल अपने विधानसभा तक ही सीमित थे। एकाध बार ही उन्हें दूसरे क्षेत्र में प्रचार करते देखा गया। बैकुंठपुर और भरतपुर सोनहत विधानसभा में भी मंत्री का प्रचार के लिए ना पहुंचना चर्चा का विषय बना हुआ था।

प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग भी हो गया है बदहाल

प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग का हाल बेहाल है, आए दिन शासकीय चिकित्सालयों की कमी सामने आ रही है, खुद मंत्री के विधानसभा और पड़ोस के जिले में हाल बुरा है। स्वास्थ्य सुविधा से जुड़ी वीभत्स तस्वीरें भी विभाग की दुर्दशा बयां कर रही है। लापरवाही चरम सीमा पर हावी है,विभाग पर स्वास्थ्य मंत्री का जोर दिखलाई नहीं दे रहा है। स्वास्थ्य सुविधा प्रदेश भर में बेपटरी हो गई है,जनता परेशान है। स्वास्थ्य मंत्री सिर्फ बैठक लेकर कड़ाई करने की बात करते हैं। लोकसभा चुनाव की अचार संहिता के पूर्व तक सिर्फ पोस्टिंग पर ध्यान था। विभाग का हाल बुरा है और जनता से जुड़ा विभाग होने के कारण इससे सरकार की किरकिरी भी हो रही है।

मंत्री के इर्द गिर्द सक्रिय है संघ विरोधी युवक,कार्यकर्ता हुए दूर

मनेंद्रगढ़ विधानसभा से विधायक निर्वाचित होने के बाद श्यामबिहारी जायसवाल को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया था, उम्मीद थी कि वे कुछ बेहतर करेंगे लेकिन बेहतर तो दूर दुर्दशा ज्यादा दिखलाई देने लगी। मंत्री बनने के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री ने अपने साथ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भाजपा को पानी पी पी कर कोसने वाले युवक को साथ रख लिया है। बतलाया जाता है कि कांग्रेसी मानसिकता का वह युवक शुरू से मंत्री के बंगले के सक्रिय है। स्वास्थ्य मंत्री के निज सचिव के सह पर युवक मंत्री के रायपुर बंगले में सक्रिय रहता है, और विभागीय काम में उसका पूरा हस्तक्षेप है। विभागीय सप्लाई से लेकर ट्रांसफर,पोस्टिंग में भी उसकी दलाली पर चल रही है। मंत्रालय में भी युवक सक्रिय रहता है। मंत्री के शासकीय आवास एवं कार्यालय के रंग रोगन समेत अन्य सभी कार्यों को कराने की जिम्मेदारी भी युवक को दी गई थी। संघ और भाजपा विरोधी युवक को मंत्री द्वारा आश्रय देने के कारण भाजपा कार्यकर्ता मायूस हैं। विधानसभा चुनाव में जी तोड़ मेहनत करने वाले कार्यकर्ता रायपुर बंगले में जाने से हिचकते हैं जबकि उक्त कांग्रेसी युवक को मंत्री द्वारा वहां बैठाकर काम दिया जा रहा है।

कांग्रेसियों से मित्रता निभाना छोड़िए मंत्री जी

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री अब धीरे धीरे सत्ता के रंग में रंग गए हैं बतलाया जाता है मंत्री का अनेक कांग्रेसियों से भी काफी गहरा संबंध है। और उस संबंध को अभी भी मंत्री जी पूरी ईमानदारी से निभा रहे हैं,कांग्रेसी उनके कार्यकाल में फलने फूलने लगे हैं। मनेंद्रगढ़ ही नही बल्कि दूसरे विधानसभा के कांग्रेसी कार्यकर्ता मंत्री के संपर्क में है और आसानी से अपना काम करा रहे हैं जबकि भाजपाई केवल चक्कर काट रहे हैं। भाजपाई कार्यकर्ता दबी जुबान से यह कहते सुने जाते हैं कि मंत्री जी कांग्रेसियों से मित्रता निभा रहे हैं,कार्यकर्ता इससे भीतर ही भीतर नाराज है।

श्री राम सेवा समिति केशगंवा के तत्वाधान में श्री रामचरितमानस गायन वादन सम्मेलन का आयोजन आज से

-संवाददाता-
कोरिया,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

श्रीराम सेवा समिति एवं विकासखंड सोनहत के केशगवां ग्राम के ग्राम वासियों के सौजन्य से श्री रामचरितमानस गायन वादन सम्मेलन का आयोजन दिनांक 10 जून 2024 से 11 जून 2024 तक हनुमान मंदिर प्रांगण केशगवां बीचपारा में आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए मानस मंडलियों, बाल मंडली, महिला मंडलियों की सहभागिता और प्रवेश की अंतिम तिथि 5 जून 2024 रखी गई है। समिति के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के जीवन दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह आयोजन वृहद रूप में आयोजित करने की योजना है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मानस मंडली का प्रोत्साहन एवं मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के जीवन दर्शन को जन जन तक प्रसारित करना है। समिति के सदस्यों ने विभिन्न मानस मंडली के साथ-साथ सनातन धर्मावलंबी और मानस गायन वादन में रुचि रखने वाले श्रोता, वक्ता, दर्शकों से विशेष अनुरोध किया है कि कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

विदेशी मदिरा दुकान के तीन कर्मचारियों को शराब में मिलावट करते विभाग ने पकड़ा की कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिले के मदिरा दुकानों में आए दिन शराब में मिलावट की बात सामने आती रहती है,वही मदिरा प्रेमियों की शिकायत भी रहती है के जिले के मदिरा दुकानों में अच्छे ब्रांड के शराब तो होते ही नहीं है,साथ ही शराब में मिलावट भी किया जाता है । इसी तरह की शिकायत विभाग के उच्चाधिकारियों को मिलने पर संबंधित विभाग द्वारा विदेशी मदिरा दुकान ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा में दिनांक 08/06/24 को आकस्मिक निरीक्षण किया गया । आकस्मिक निरक्षण के दौरान सुपरवाइज़र प्रतिपाल यादव,सेल्समेन प्रवीण जयसवाल एवं मल्टींवर्कर होलिका सिंह को मदिरा मिलावट करते पकड़ा गया। आरोपियों के क़ब्ज़े से 06 नग मैकडॉवेल्स नं.1 बॉटल में भरी मिलावटी मदिरा,06 नग मैकडॉवेल्स नं.1 बॉटल की ख़ाली शीशी ढक्कन,06 नग गोवा व्हिस्की बॉटल ख़ाली शीशी एवं 04 नग आफ्टरडार्क बॉटल की ख़ाली शीशी एवं ढक्कन बरामद किया गया। विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 38(क) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है । बता दे के ग्राहकों द्वारा शराब में मिलावट की शिकायत अक्सर किया जाता है एवं समय समय पर मीडिया के द्वारा ग्राहकों के शिकायतों को प्रकाशित भी किया जाता है पर कार्यवाही नही होने से ऐसे लोगों के हौसले काफी बुलंद होते है,ऐसे में आवश्यकता है के संबंधित विभाग समय समय पर आकस्मिक जांच करे जिससे मिलावट खोरी में लगाम लग सके ।

खुली खदान में महिला की अधजली लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी

-संवाददाता-
कोरबा,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के ग्राम रिसदी सोनपुरी कुसमुंडा में खदान के पास अज्ञात महिला की अधजली लाश मिली है। जिसके बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना के सूचना मिलते ही कुसमुंडा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। मामला कुसमुंडा थाना क्षेत्र का है,जहां सुबह ग्राम रिसदी सोनपुरी कुसमुंडा में खदान के पास अज्ञात महिला की लाश लोगों को दिखी जिसपर तत्काल वहां मौजूद लोगों पुलिस को दी जानकारी । जिसपर पुलिस मौके पहुंचकर मामले की जांच सुरू कर दी है। फिलहाल मृतक की पहचान नही हो पाई है। वहीं पुलिस द्वारा मृतका महिला की पहचान के लिए आसपास के इलाके में मुनादी कराई जा रही है। महिला की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है एवं रिपोर्ट के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो पाएगा ।

कोरबा प्रेस क्लब के चुनाव का कार्यक्रम हुआ निर्धारित,13 जून को होगा मतदान

-संवाददाता-
कोरबा,09 जून 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा प्रेस क्लब के चुनाव की सरगर्मियां शुरू हो गई हैं। कोरबा प्रेस क्लब की द्विवर्षीय कार्यकारिणी चयन के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता लक्ष्मीनारायण अग्रवाल ने चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया है। इन 9 पदों में चुनाव किया जाएगा जिसमे संरक्षक, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, उपसचिव और कोषाध्यक्ष के एक-एक पद और कार्यकारिणी सदस्य के तीन पदों पर चुनाव होंगे। चुनाव अधिकारी अधिवक्ता लक्ष्मीनारायण अग्रवाल द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार कोरबा प्रेस क्लब में कुल 9 पद के लिए मतदान गुरुवार 13 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच होगा साथ ही कोरबा प्रेस क्लब तिलक भवन में चुनाव स्थल निर्धारित किया गया है, जहां 11 जून को सुबह 10 बजे प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। प्रारंभिक मतदाता सूची पर आपत्तियों के लिए सुबह सवा दस बजे से सवा 11 बजे तक वक्त मिलेगा। आपत्तियों का निराकरण इसी दिन दोपहर ढाई बजे तक किया जाएगा और दोपहर 3 बजे अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा। 11 जून को ही दोपहर साढ़े 3 बजे से

शाम 6 बजे के बीच और उसके बाद 12 जून को सुबह दस बजे से दोपहर एक बजे तक नामांकन पत्र उपलब्ध होंगे। नामांकन-पत्र जमा करने के लिए भी 12 जून को सुबह साढ़े दस बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक का समय मिलेगा। नामांकन-पत्र का परीक्षण, आपत्ति व निराकरण इसी दिन दोपहर दो से ढाई बजे के बीच होगा। 12 जून को ही नामांकन की वापसी दोपहर 2.35 से दोपहर 3 बजे के बीच की जा सकती है और शाम 4 बजे प्रत्याशियों के नामों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। वहीं 13 जून को 09 पदों पर मतदान होंगे और शाम चार बजे से मत गणना होगी, जिसके बाद परिणाम की घोषणा की जाएगी।जारी सूचना के आधार पर इस पूरी चुनाव प्रक्रिया में पोस्टल मतदान की व्यवस्था लागू नहीं होगी।

संक्षिप्त खेल समाचार

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार से बढ़ीं इंग्लिश टीम की मुश्किलें

ब्रिजटाउन (बारबाडोस),09 जून 2024। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर, ट्रेविस हेड और एडम जम्पा के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टी20 विश्व कप 2024 के अहम मुक़ाबले में ऑस्ट्रेलिया ने वर्तमान चैंपियन इंग्लैंड को 36 रनों से पटखनी दे दी।ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवरों में 201/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया और मौजूदा टूर्नामेंट में 200 रन का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम बन गई। इंग्लैंड इस स्कोर के जवाब में निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 165 रन ही बना पाई। ऑस्ट्रेलिया के 201 रनों के जवाब में इंग्लैंड ने आक्रामक शुरुआत की। जोस बटलर और फ़िल सॉल्ट ने इंग्लैंड को आक्रामक शुरुआत दिलाई, लेकिन एडम ज़म्पा ने मोर्चा संभालते ही इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। ज़म्पा ने इंग्लैंड के दोनों सेट ओपनरों सॉल्ट और बटलर के रूप में इंग्लैंड को जो झटके दिए उससे इंग्लैंड उबर ही नहीं पाया। ज़म्पा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

रिद्धि वापस लौटे,बंगाल प्रो टी 20 लीग में खेलेंगे

कोलकाता,09 जून 2024। बंगाल क्रिकेट में रिद्धिमान साहा की वापसी होने जा रही है क्योंकि यह विकेटकीपर-बैट्समैन मंगलवार से शुरू हो रही बंगाल प्रो टी20 लीग में रश्मि मेदिनीपुर विजार्ड्स का प्रतिनिधित्व करेगा। 15 साल की सेवा के बाद, सिलीगुड़ी के इस लड़के ने 2 जुलाई, 2022 को औपचारिक रूप से क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) से नाता तोड़ लिया, जब एक अधिकारी ने बंगाल क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया। साहा दो साल तक त्रिपुरा की सीनियर टीम के खिलाड़ी-सह-संरक्षक के रूप में काम कर चुके हैं। लेकिन पिछले महीने के अंत में उन्होंने बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली से बातचीत के बाद बंगाल की जर्सी पहनने का फैसला किया। साहा, जो बंगाल प्रो टी20 लीग की शुरुआती ड्राफ्ट सूची में नहीं थे, उन्हें मार्की खिलाड़ी अभिमन्यु ईश्वरन की जगह लिया गया था।

बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला आज

» बांग्लादेश के खिलाफ विजय अभियान जारी रखने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

न्यूयॉर्क,09 जून 2024। अपने पहले दो मैच में जीत दर्ज करके ग्रूप डी में शीर्ष पर काबिज दक्षिण अफ्रीका को अगर टी 20 विश्व कप में अपना विजय अभियान जारी रखना है तो बांग्लादेश के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीम के लिए नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की अप्रत्याशित व्यवहार कर रही पिच से सामंजस्य से बिठाना आसान नहीं होगा। दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि अपने पहले दो मैच इसी मैदान पर खेले हैं इसलिए वह थोड़ा फायदे में रहेगा। बांग्लादेश ने भी भारत के खिलाफ यहां अभ्यास मैच खेला था।

दक्षिण अफ्रीका ने भले ही नीदरलैंड और श्रीलंका पर जीत दर्ज की है लेकिन उसके बल्लेबाज इन दोनों मैच में छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए संघर्ष करते हुए नजर आए। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने हालांकि अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और इसलिए उसके गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव की संभावना नहीं है जिसमें एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा, मार्को यानसन और ओटनील बार्टमेन जैसे तेज गेंदबाज और केशव महाराज जैसा अनुभवी स्पिनर शामिल है। दक्षिण अफ्रीका की चिंता हालांकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन होगा। नीदरलैंड के खिलाफ उसकी टीम पहले 10 ओवर में केवल 33 रन बना पाई थी।

अगर ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर ने मोर्चा नहीं संभाल होता तो उसकी टीम को हार का सामना करना पड़ सकता था। दक्षिण अफ्रीका के अभी दो मैच में चार अंक हैं और बांग्लादेश के खिलाफ जीत से सुपर 8 में जगह बनाने के लिए उसकी स्थिति मजबूत हो जाएगी। रिकॉर्ड भी दक्षिण अफ्रीका के पक्ष में है। उसने अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बांग्लादेश से कोई मैच नहीं गंवाया है। बांग्लादेश ने श्रीलंका को हराकर अपने अभियान की शुरुआत की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा होगा, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की तरह उसके बल्लेबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

भारत के खिलाफ अभ्यास मैच और श्रीलंका के खिलाफ ग्रूप चरण के मैच में उसके बल्लेबाज संघर्ष करते हुए नजर आए थे। बांग्लादेश के मुख्य बल्लेबाजों में केवल लिटन दास ही कुछ रन बना पाए थे। बांग्लादेश को अगर दक्षिण अफ्रीका पर टी20 में अपनी पहली जीत दर्ज करनी है तो उसके बाकी बल्लेबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। ऑलराउंडर शाकिब अल हसन भी अभी तक बल्ले और गेंद दोनों से प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं जो बांग्लादेश के लिए चिंता का विषय होगा।

टीम इस प्रकार हैं:-

दक्षिण अफ्रीका:- एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

बांग्लादेश:- नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब। यात्रा करने वाले रिजर्व अफीफ हुसैन, हसन महमूद। मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे शुरू होगा।

मिशेल मार्श के 95 मीटर के छक्के से सोलर पैनल टूट गया

न्यूयॉर्क,09 जून 2024।ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ टी 20 विश्व कप ग्रुप बी के मुकाबले के दौरान आदिल राशिद की गेंद पर छक्का जड़ते समय सोलर पैनल की छत को तोड़ दिया। यह घटना ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी के 9वें ओवर में हुई जब इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने आदिल राशिद को आक्रमण पर लगाया। मिचेल मार्श ने राशिद की गेंद पर दो डॉट बॉल दिए, इससे पहले उन्होंने 95 मीटर लंबा छक्का जड़ा जो ग्रीनिज-हेन्स स्टैंड के ऊपर स्टेडियम के सोलर पैनल की छत पर जा गिरा। मार्श के छक्के की वजह से सोलर पैनल में दरार आ गई।

इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के बाद, ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर और ट्रैविस हेड ने पारी की शानदार शुरुआत की और दोनों ने 70 रन की साझेदारी की, लेकिन बाद में वे 39 रन पर आउट हो गए। इसके बाद, 74/2 पर 34 रन पर आउट होने के बाद हेड क्रीज पर नहीं टिक पाए। ट्रैविस हेड के आउट होने के बाद, ऑस्ट्रेलिया की पारी को आगे बढ़ाने के लिए ग्लेन मैक्सवेल ने मिशेल मार्श का साथ दिया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 65 रनों की साझेदारी की, लेकिन मार्श 139/3 के स्कोर पर 35 रन बनाकर स्टंप आउट हो गए। फिर, मैक्सवेल 141/3 के स्कोर पर 28 रन बनाकर आउट हो गए। टिम डेविड कुछ देर क्रीज पर रहे और 168/5 के स्कोर पर 11 रन बनाकर आउट हो गए। मार्कस स्टोइनिस ने 17 गेंदों पर 30 रनों की पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया को 200 रन के पार पहुंचाया, लेकिन 200/6 के स्कोर पर आउट हो गए। आखिरकार, पैट कमिंस के शून्य पर रन आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 201/7 का स्कोर बनाया।ऑस्ट्रेलिया ने अपना ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 36 रन से हराकर मौजूदा टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।201/7 का मजबूत स्कोर बनाने के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 20 ओवरों में इंग्लैंड को 165/6 पर रोक दिया। पैट कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया और 5.80 की इकॉनमी रेट के साथ 2/23 के आंकड़े दर्ज किए।

कमिंस सबसे किफायती गेंदबाज रहे, जबकि अन्य गेंदबाजों ने 6 से अधिक की इकॉनमी रेट से रन दिए। एडम ज़म्पा (2/28) ने दो विकेट लिए, जबकि मार्कस स्टोइनिस (1/24) और जोश हेज़लवुड (1/28) ने एक-एक विकेट लिया। इंग्लैंड के लिए, जोस बटलर ने 28 गेंदों पर 42 रनों की कप्तानी पारी खेलकर बल्लेबाजी का नेतृत्व किया, जबकि फिल साल्ट ने 23 गेंदों पर 37 रनों की पारी खेलकर रन-चेज़ में योगदान दिया। मोईन अली और हैरी ब्रूक ने क्रमशः 25 और 20* रन बनाए। हालाँकि, उनके प्रयास व्यर्थ गए क्योंकि इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया द्वारा निर्धारित 202 रनों के लक्ष्य को प्राप्त करने से 37 रन पीछे रह गया।

वेस्टइंडीज ने युगांडा को 134 रन से रौंदा

जॉर्जटाउन (गुयाना),09 जून 2024। टी20 विश्व कप 2024 के ग्रूप-सी के एक मैच में वेस्टइंडीज ने युगांडा को 134 रन से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन की फिरकी के आगे युगांडा के बल्लेबाज पूरी तरह लाचार नजर आए। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉनसन चार्ल्स के 42 गेंदों पर 44 और आंद्रे रसेल के 17 गेंदों पर 30 रनों की बदौलत 20 ओवरों में 173/5 रन बनाए।जवाब में युगांडा की टीम 12 ओवरों में मात्र 39 रन पर सिमट गई। युगांडा को कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक पाया। अकील हुसैन ने अपने स्पेल में मात्र 11 रन देकर पांच विकेट लिए। अकील का पांच विकेट वेस्टइंडीज के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाजी आंकड़ा और टी20 विश्व कप में छठा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।वेस्टइंडीज ने 173 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए शुरू से ही युगांडा के बल्लेबाजों पर दबदबा बनाया। अकील हुसैन ने पावरप्ले के दौरान अपने तीन ओवरों में तीन विकेट लेकर आक्रमण की अगुआई की। रोमारियो शेफर्ड और रसेल ने भी विकेट लेकर योगदान दिया।अकील ने सातवें ओवर के दौरान अपने शानदार स्पेल में चौथा और पांचवां विकेट लिया।

डिंपल कपाड़िया की जिंदगी के कुछ अनसुने किस्से

;फिल्म बॉबी से मायानगरी में कदम रखने वाली डिंपल कपाड़िया ने अपनी पहली ही फिल्म से पूरी इंडस्ट्री में तहलका मचा दिया था लेकिन इससे पहले वह और फिल्में करती उन्होंने अपने से दोगुणी उम्र के सुपरस्टार राजेश खन्ना से शादी कर ली थी वो भी एक शर्त मानकर की वह फिल्मों में काम नहीं करेंगी लेकिन ये रिश्ता फिर भी नहीं चला। बाद में उन्होंने दोबारा इंडस्ट्री में कदम रखा लेकिन शादी के बाद डिंपल घर पर फ्री नहीं बैठी और कुछ अलग ही काम करने लगी। वैसे वह कोई आम परिवार की बेटी नहीं थी फिर भी उन्होंने बेहद सिंपल काम करना चुना।

जब रातों-रात स्टार बन गई वह गुजरात के एक बड़े बिजनेसमेन की बेटी थी जो इतना रईस था कि राज कपूर जैसे लोग उनके घर पर पार्टीज अटेंड करने पहुंचते थे। चलिए आपको डिंपल की बैकग्राउंड स्टोरी के बारे में बताते हैं। डिंपल के पिता चुन्नीभाई कपाड़ि़या अपने घर समुद्र महल में पार्टियां देते थे, जिसमें कई बॉलीवुड सितारे आया करते थे। ऐसी ही एक पार्टी में राज कपूर ने डिंपल कपाड़ि़या को देखा था। उस वक्त डिंपल कपाड़ि़या की उम्र 13 साल की थीं। फिल्म बॉबी के लिए उन्होंने अपने बेटे ऋषि कपूर के अपोजिट फ्रैश फेस के तोर डिंपल कपाड़ि़या को ब्रेक दिया था और इस फिल्म से वह रातों-रात स्टार बन गई लेकिन फिल्म आने से पहले ही वह शादी कर चुकी थी। राजेश ने इसी शर्त पर शादी की थी वह फिल्में नहीं करेंगी तो डिंपल ने मोमबत्तियां बनानी शुरू की।

होममेड डिजाइनर्स कैंडल बहुत कम लोग जानते हैं कि डिंपल होममेड डिजाइनर्स कैंडल बनाने का बिजनेस करती हैं। उनकी स्रड्डह्व 2ड्ड4 ञ्जह्लद्गद्ग नाम से एक कंपनी है। डिंपल की डिजाइन की कैंडल की खास बात यह है कि वह खास खुशबू वाली जड़ी बूटियों तैयार की जाती हैं। एक इंटरव्यू में डिंपल कपाड़ि़या ने कहा था कि उन्हें मोमबत्तियों का काफी शौक हैं। वह जब विदेश जाती थीं तो काफी सारी मोमबत्ती खरीदकर लाती थीं। ऐसे में उन्होंने सोचा कि वह खुद कैंडल बनाया करेंगी। बस उन्होंने अपने इस शौक को बिजनेस बना लिया। इसके लिए डिंपल ने खास विदेश में कैंडल बनाने की ट्रेनिंग भी ली है। डिंपल की बहन भी थीं एक्ट्रेस डिंपल के भाई बहन की बात करें तो डिंपल की एक बहन सिंपल भी थी और वह भी सक्सेसफुल एक्टर बनने का सपना देखती थी लेकिन उनका सपना पूरा नहीं हो पाया और वह जवां उम्र में ही वह दुनिया को अलविदा कह गई। डिंपल की बहन सिंपल ने भी कई फिल्मों में उन्होंने काम भी किया। सिंपल कपाड़ि़या ने भी जीजा राजेश खन्ना के साथ ही फिल्म अनुरूध से करियर की शुरुआत की लेकिन फ्लॉप रही। हालांकि वह और भी कई फिल्मों में नजर आई लेकिन उन्हें खास पहचान नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने फैशन डिजाइनर के तौर पर पहचान बनाई। उन्होंने सनी देओल, तब्बू प्रियंका चोपड़ा जैसे कई स्टार्स के लिए वह कास्टयूम डिजाइन किए। फिल्म रूदाली के लिए उन्होंने जो कॉस्ट्यूम डिजाइन किए उनके लिए उन्हें नैशनल अवॉर्ड भी मिला था लेकिन वह कैंसर की शिकार हो गई थी। कुछ साल बीमारी से लड़ने के बाद साल 2009 में वह दुनिया को अलविदा कह गई। छोटी बहन की हुई थी नशे के ओवरडोज से मौत डिंपल सिंपल के भाई बहनों की बात करें तो डिंपल के अलावा उनकी एक छोटी बहन और थी रीम कपाड़ि़या जिनकी मौत भी नशे के ओवरडोज के कारण हुई थी। वहीं एक भाई सुहैल कपाड़ि़या जिन्हें बेबी भी कहते है। डिंपल अभी भी इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और फिल्मों में नजर आती हैं। डिंपल कपाड़ि़या की ये लाइफस्टोरी आपको कैसी लगी हमें कमेंट बॉक्स में बताना ना भूलें।

पवन कल्याण की ओजी से टकराएगी नंदमुरी बालकृष्ण की एनबीके 109 ? दिसंबर में होगा कड़ा मुकाबला

इस साल साउथ की कई बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेंगी। इस लिस्ट में बड़े सितारों की फिल्में शामिल हैं। प्रभास की कल्कि 2898 एडी, जूनियर एनटीआर की देवरा, अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2ः द रूल, राम चरण की गेम चेंजर, पवन कल्याण की दे कॉल हिम ओजी और नंदमूरी बालकृष्ण की एनबीके 109 सहित कई बहुप्रतीक्षित फिल्में सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। ऐसे में कई फिल्में रिलीज होने के कारण सभी फिल्मों के निर्माता इस कोशिश में हैं कि उनकी फिल्म अन्य किसी फिल्म से क्लैश न हो। हालांकि, पवन कल्याण की ओजी और नंदमुरी बालकृष्ण की एनबीके 109 के बीच टकराव होने की संभावना बनी हुई है।फिल्मों के निर्माता अन्य किसी फिल्म की प्रमुख रिलीज के साथ टकराव से बचने के लिए रिलीज की तारीखों को सावधानीपूर्वक तय कर रहे हैं। ओजी, गेम चेंजर और एनबीके 109 जैसी फिल्मों ने अभी तक अपनी रिलीज की तारीख तय नहीं की है। ऐसे में अब अटकलें लगाई जा रही हैं कि ओजी और एनबीके 109 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है, जो साल के अंत में दर्शकों का मनोरंजन करेंगी।शुरुआत में 27 सितंबर, 2024 को रिलीज होने वाली ओजी को अब दिसंबर तक स्थगित कर दिया गया है, जो कि बालकृष्ण-बॉबी कोल्ली की एनबीके 109 की संभावित रिलीज के साथ मेल खाती है। ऐसे में अब कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों फिल्में दिसंबर में रिलीज होने के लिए तय हैं तो ऐसे में सिनेमाघरों में इन फिल्मों के बीच टकराव देखने को मिल सकता है।अगर दोनों फिल्में वाकई एक ही महीने में रिलीज होती हैं तो यह दोनों अभिनेताओं के प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक समय होगा। अब यह उम्मीद की जा रही है कि दिसंबर में अन्य रिलीज होने वाली फिल्मों को नई तारीखों के साथ रिलीज किया जाएगा। इनमें नागा चैतन्य की थंडेल और नितिन की रॉबिनहुड शामिल हैं। हालांकि, ये मुद्दे फिलहाल खबरों के आधार पर हैं। इस बारे में निर्माताओं की ओर से आधिकारिक जानकारी आने का इंतजार है।

गैंग्स ऑफ गोदावरी ओटीटी पर रिलीज

गैंग्स ऑफ गोदावरी ओटीटी रिलीजः कृष्ण चैतन्य की फिल्म गैंग्स ऑफ गोदावरी, जिसमें विश्वक सेन, नेहा शेट्टी और अंजलि मुख्य भूमिकाओं में हैं, 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के दो हफ्ते बाद ही नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। नेटफ्लिक्स पर गैंग्स ऑफ गोदावरी नेटफ्लिक्स ने गैंग्स ऑफ गोदावरी का नया ट्रेलर जारी किया, जिसमें घोषणा की गई कि फिल्म 14 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, टाइगर रत्नाकर की थेलीसिंधला ओकाटे। एवेदिना मेधाकी ओस्थे वाला मेधा पडीपोडे। ्रगैंग्सऑफगोदावरी 14 जून को तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में नेटफ्लिक्स पर आ रही है! (टाइगर रत्नाकर केवल एक ही चीज़ जानते हैं। उन्हें धमकी देने वाले किसी भी व्यक्ति पर हमला करना।) ट्रेलर से पता चलता है कि रत्ना (विश्वक) किस तरह का आदमी है कोई ऐसा व्यक्ति जो राजनेता बनने के लिए शीर्ष पर पहुँचने के लिए अपने तरीके से संघर्ष करता है। इसमें दिखाया गया है कि वह बुज्जी (नेहा) के प्यार में पड़ जाता है और उसके साथ एक परिवार बनाता है, लेकिन साथ ही कई दुश्मन भी बनाता है जो उसकी शांति के लिए खतरा हैं। उसे एक ऐसे शख्स के रूप में दिखाया गया है जो सत्ता की तलाश में निर्दयी है। गैंग्स ऑफ गोदावरी भारत के आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में सेट है और दशकों में घटित होती है। छोटी नाट्य विंडो बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का प्रदर्शन चाहे जो भी हो, कुछ हालिया फिल्मों के लिए छोटी नाट्य विंडो ने एक खतरनाक मिसाल कायम की है। हाल ही में, वीवी गोपाल कृष्ण की सत्यदेव-स्टारर कृष्णम्मा मई में अपनी नाट्य रिलीज़ के ठीक एक हफ्ते बाद अमेज़न प्राइम वीडियो पर रिलीज़ हुई। गैंग्स ऑफ गोदावरी हाल के दिनों में इतनी छोटी नाट्य विंडो वाली दूसरी तेलुगु फिल्म बन गई है।

गदर से कहो ना प्यार है तक,उनकी 5 फिल्में जिन्हें आप मिस नहीं कर सकते

अभिनेत्री अमीषा पटेल ने कहो ना... प्यार है और गदर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने आकर्षक अभिनय से लोगों का दिल जीत लिया, जिसने बॉलीवुड में उनकी पहचान को और मजबूत कर दिया। 9 जून को जब वह अपना 49 वां जन्मदिन मनाई, तो उनके सफ़र को फिर से देखने और उनकी बहुमुखी प्रतिभा पर आश्चर्य करने का यह सही समय है। गंभीर ड्रामा से लेकर हल्की-फुल्की कॉमेडी तक, अमीषा ने कई विधाओं में अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया है। उनके कुछ अविस्मरणीय कैरेक्टर पर नज़र डालकर उनके करियर का जश्न मनाने में हमारे साथ शामिल हों।

कहो ना... प्यार है

अमीषा ने 2000 में ऋतिक रोशन के साथ कहो ना... प्यार है से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। यह फिल्म सोनिया और रोहित की प्रेम कहानी पर आधारित है, जो अलग-अलग दुनिया से आते हैं। कहानी में एक और मोड़ तब आता है जब रोहित की रहस्यमय तरीके से हत्या हो जाती है, जिससे सोनिया को न्यूजीलैंड जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जहाँ उसकी मुलाकात रोहित के हमशक्ल राज से होती है। राकेश रोशन द्वारा निर्देशित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई, जिससे दोनों सितारे रातों-रात मशहूर हो गए।

गदरः एक प्रेम कथा

2001 में रिलीज़ हुई गदरः एक प्रेम कथा तारा सिंह की कहानी है, जिसकी शादी सकीना नाम की एक पाकिस्तानी लड़की से हो जाती है। कहानी विभाजन की पृष्ठभूमि में सेट की गई है, और कथानक तब और दिलचस्प हो जाता है जब सकीना के पिता उसे पाकिस्तान में रहने के लिए मजबूर करते हैं और उसे उसके परिवार से अलग कर देते हैं। अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित, रोमांस-एक्शन शैली की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी हिट थी और इसे सिनेमाघरों में फिर से रिलीज़ किया गया है।

भूल भुलैया

2007 की हॉरर कॉमेडी एक एनआरआई और उसकी पत्नी की कहानी है, जो अपने पैतृक घर में वापस आने का फैसला करते हैं, जिसे भूतिया माना जाता है। कुछ घटनाओं के बाद, वे रहस्य को सुलझाने में मदद के लिए एक मनोचिकित्सक को बुलाते हैं। फिल्म में, वह एक साधारण लड़की राधा की भूमिका में नजर आई, जिसका परिवार सोचता है कि उस पर भूत सवार है। हमराज़ नकारात्मक भूमिका में अक्षय खन्ना के साथ, 2002 की यह फ़ल्म प्यार, एक्शन, रोमांस और बदले से भरपूर है। अब्बास-मस्तान निर्देशित इस फ़ल्मि में बॉबी देओल भी एक अमीर व्यवसायी और अमीषा के पति की भूमिका में हैं। फ़ल्मि ने बॉक्स ऑफ़सि पर बड़ी सफलता हासिल की और ट्विस्ट और टर्न के साथ अपनी रोमांचक कहानी के लिए लोगों का दिल जीत लिया।

रेस 2

2013 की फ़ल्मि, जिसमें सैफ़ अली ख़ान और दीपिका पादुकोण भी हैं, में अमीषा ने अनिल कपूर के किरदार की नॉट-सो-स्मार्ट असिस्टेंट की भूमिका निभाई है। उन्होंने फ़ल्मि में एक कॉमिक टच जोड़ा है जो कई ट्विस्ट और टर्न के साथ आया है। अब्बास-मस्तान द्वारा निर्देशित, रेस 2 ने बॉक्स ऑफिस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल की। अब तक की आपकी पसंदीदा अमीषा की फ़ल्मि कौन सी है

छत्तीसगढ़ में किराया की गाड़ियों पर ब्रेक

» वित्त विभाग ने जारी किया निर्देश

रायपुर,09 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में सरकारी विभागों में गाड़ी किराया पर लेने पर रोक लगा दी गई है। वित्त विभाग ने इस संबंध में निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि वित्तीय अधिकारों के प्रत्यायोजन की पुस्तिका में वाहन किराये पर लेने संबंधी अधिकार समाप्त कर दिए गए हैं। अपवाद स्वरूप वित्त विभाग की सहमति से ही वाहन विशेष उद्देश्य व निर्धारित अवधि के लिए किराया पर लिया जा सकता है।वित्त विभाग की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि प्राय- यह देखा जा रहा है कि विभिन्न विभागों एवं उनके अधीनस्थ कार्यालयों/ निगम/मंडल/अनुदान प्राप्त संस्थाओं द्वारा किराया का वाहन उपयोग में लिया जा रहा है तथा उक्त वाहनों के किरायें की दरों में एकरूपता नहीं है। अत- एकरूपता की दृष्टि से परिशिष्ट-` अनुसार वाहनों / समतुल्य वाहनों के किराया हेतु दर तथा परिशिष्ट-ब अनुसार किराये की शर्त निर्धारित किया जाता है। किराये के वाहन की दरें राज्य मद से किराये पर लिये जाने वाले वाहनों के साथ केन्द्र पोषित अथवा अन्य मदो से वित्त पोषित योजनाओं के तहत किराये पर भी लिये जाने वाले वाहनों पर समान रूप से लागू होगें।वाहन किराया पर लेने के लिए वित्त विभाग की अनुमति के साथ इन शर्तों का करना होगा पालन 1. किराये पर उपलब्ध कराये जाने वाले वाहन का मॉडल वर्ष 2020 या उसके बाद का होना चाहिए। इन वाहनों के पंजीयन संबंधी दस्तावेज की प्रतिलिपि अनिवार्यत- ली जाये।2. वाहन के समस्त दस्तावेज जीवित बीमा (कम्प्रेहेन्सिव) तथा फिटनेस प्रमाण पत्र आदि होना अनिवार्य है। उपरोक्त सभी का भुगतान वाहन मालिक द्वारा किया जावेगा। बीमा संबंधी दस्तावेज की प्रतिलिपि जमा किया जाये।3. वाहन मुख्यालय पर रहने एवं मुख्यालय से बाहर रहने पर कोई अतिरिक्त राशि देय नहीं होगा। 4. किराये की अवधि में वाहन आबंटित अधिकारी के आधिपत्य में रहेगा तथा फर्म के द्वारा अपने निजी प्रयोजन अथवा कार्यालय से हटकर अन्य कार्य हेतु वाहन का उपयोग किया जाता है, तो तत्काल प्रभाव से वाहन हटा दिया जावेगा। 5. वाहन की मरम्मत, रख-रखाव, दुर्घटना दावा एवं समस्त अन्य खर्चे वाहन मालिक द्वारा वहन किया जाएगा। 6. उपयोग के दौरान वाहन के खराब होने की स्थिति में समतुल्य वाहन तत्काल उपलब्ध कराना होगा। वाहन तत्काल उपलब्ध न कराये जाने पर उक्त दिवस की राशि कटौती की जाएगी। यदि कार्यालय द्वारा वाहन की व्यवस्था की जाती है, तो व्यय पूर्ति की जवाबदारी फर्म की होगी।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद आज से हाई कोर्ट में होगी मामलों की सुनवाई

बिलासपुर,09 जून 2024(ए)। ग्रीष्मकालीन अवकाश खत्म होने के बाद अब 10 जून सोमवार से छत्तीसगढ हाई कोर्ट में कामकाज प्रारंभ होगा। सुनवाई के लिए रजिस्ट्रार जनरल ने रोस्टर जारी कर दिया है। जारी रोस्टर के अनुसार तीन डिवीजन व छह सिंगल बेंच के अलावा सिंगल बेंच में याचिकाओं की सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की डीबी में जनहित याचिका, वर्ष 2023 से लंबित रिट अपील, बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका ,वर्ष 2022 से लंबित क्रिमिनल अपील, रिट याचिका क्रिमिनल, अवमानना याचिका क्रिमिनल सहित अन्य याचिकाओं की सुनवाई होगी।जस्टिस गौतम भादुड़ी व जस्टिस रजनी दुबे की डीबी में रिट अपील टैक्स, कमर्शियल डिवीजन बेंच के मामले, सभी सिविल मामले डिवीजन बेंच से संबंधित, वर्ष 2021-2021 के क्रिमिनल अपील की सुनवाई होगी। जस्टिस संजय के अग्रवाल व जस्टिस संजय अग्रवाल की डिवीजन बेंच में वर्ष 2022 से लंबित रिट अपील, डिवीजन बेंच में सुनवाई योग्य रिट अपील की सुनवाई होगी।

छह स्पेशल बेंच में होगी सुनवाई

चीफ जस्टिस रमेश सिंन्हा की स्पेशल सिंगल बेंच में सीआरपीसी की धारा 482 के तहत वर्ष 2017 से लंबित प्रकरण, सीआरपीसी की धारा 438 के तहत के तहत जमानत याचिका, ट्रांसफर पिटिशन क्रिमिनल के प्रकरणों की सुनवाई होगी। जस्टिस गौतम भादुड़ी की स्पेशल बेंच में वर्ष 2006 से लंबित सभी प्रकार की रिट याचिका की सुनवाई होगी।जस्टिस संजय के अग्रवाल की स्पेशल बेंच में वर्ष 2004 व 2005 से लंबित क्रिमिनल अपील, रिट याचिका वर्ष 2017 से लंबित मामलों की सुनवाई होगी। जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की स्पेशल बेंच में वर्ष 2017 से 2019 लंबित मिसलेनियस अपील, वर्ष 2006 से 2010 तक लंबित क्रिमिनल अपील से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई करेंगे।

ईडी ने डोंगरगढ़ में बरामद किया लाखों रुपए कैश

मनोज अग्रवाल यहां पड़ी थी रेड

राजनांदगांव,09 जून 2024(ए)। जिले के डोंगरगढ़ में बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष और राइस एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल के घर ईडी की कार्रवाई 18 घंटे तक चली। सुबह 5 बजे से शुरू हुई कार्रवाई रात 11 बजे तक चली। इसके बाद ईडी की टीम घर से कैश और दस्तावेज लेकर रवाना हो गई। कस्टम मिलिंग घोटाले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय के अफसरों की टीम एमएच पासिंग और सीजी 04 पासिंग कार से अग्रवाल के डोंगरगढ़ और रायपुर स्थित घर पहुंची थी। देर रात स्थानीय पुलिस के साथ 2 सील बंद बैग लेकर ईडी के अधिकारी रायपुर के लिए रवाना हुए। बताया जा रहा है कि मनोज अग्रवाल के घर से बरामद हुए रुपए गिनने के लिए टीम को 2 मशीनें मंगवानी पड़ी थीं। ईडी राइस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल को डोंगरगढ़ और रायपुर के खम्हारडीह स्थित आवास पर ईडी ने शनिवार सुबह 5 बजे कार्रवाई शुरू की थी। पूरे 18 घंटे चली कार्रवाई के दौरान दोनों ठिकानों पर कस्टम मिलिंग से जुड़े कई दस्तावेज खंगाले गए। ये कार्रवाई रात 11 बजे तक चली। हालांकि ये पता नहीं चल पाया है कि अग्रवाल के घर से कितनी रकम मिली है।

छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं से भरी बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर पलटी

» 3 की मौत, 40 से अधिक घायल...

» छत्तीसगढ़ धार्मिक यात्रा पर निकले थे सभी लोग...

» मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुर्घटना पर जाहिर की संवेदना...

रायपुर,09 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ से धार्मिक यात्रा पर गए श्रद्धालुओं से भरी बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर पलट गई। रात तीन बजे हुई इस दुर्घटना में बस में सवार 65 यात्रियों में से 40 घायल हो गए। इनमें से 3 की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस घटना पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर घायलों के उपचार के निर्देश दिए हैं तथा मृतकों के प्रति संवेदना जाहिर की है।

छत्तीसगढ़ से धार्मिक यात्रा पर गए श्रद्धालुओं से भरी बस के उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर पलटने की दु:खद खबर आ रही है। बस में सवार 65 श्रद्धालु में से तीन के निधन और 40 लोगों के घायल होने की खबर है।

घटना नसीरपुर थाना क्षेत्र में हुई। बताया जा रहा चालक को झपकी आने से बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस-वे से नीचे उतर कर पलट गई। घटना के समय अधिकांश यात्री सो रहे थे। उनमें चीखपुकार मच गई। घटना के कुछ देर बाद ही पुलिस की टीम पहुंची।

एसपी ग्रामीण कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि घायलों को बस से निकाल कर जिला संयुक्त चिकित्सालय शिकोहाबाद और फिरोजाबाद मेडिकल कालेज में भर्ती कराया है। जहां 20 वर्षीय अंशु निवासी धमदा, छत्तीसगढ़ और सात वर्षीय अमित की मौत हो गई। नसीरपुर इंस्पेक्टर शेर सिंह ने बताया कि सभी यात्री छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं जो वैष्णो देवी से दर्शन कर वापस लौट रहे थे। चालक को नींद आने के कारण घटना हुई है।

सांसद और स्वास्थ्य मंत्री ने घायलों से की मुलाकात

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से तीर्थ यात्रा पर गए 56 श्रद्धालुओं से भरी बस आज तड़के उत्तर प्रदेश में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के नसीरपुर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमें सवार तीन तीर्थ यात्रियों की मृत्यु होने के साथ ही लगभग 40 तीर्थ यात्री घायल हो गए है। मिली जानकारी के अनुसार घायल तीर्थ यात्रियों का इलाज शिकोहाबाद जिला चिकित्सालय, मथुरा एवं फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज में जारी है। प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय के निर्देश पर दुर्ग सांसद विजय बघेल एवं लूंड्रा विधायक प्रबोध मिंज के साथ मथुरा पहुंचकर घायलों के उचित उपचार की जानकारी लेकर घायलों के परिजनों को हर संभव मदद प्रदान करने के लिए आश्वस्त किया। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से तीर्थ यात्रा पर गए 56 श्रद्धालुओं से भरी बस आज तड़के उत्तर प्रदेश में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के नसीरपुर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमें सवार तीन तीर्थ यात्रियों की मृत्यु होने के साथ ही लगभग 40 तीर्थ यात्री घायल हो गए है। घायल तीर्थ यात्रियों का इलाज शिकोहाबाद जिला चिकित्सालय, मथुरा एवं फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज में किया जा रहा है। प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय के निर्देश पर दुर्ग सांसद विजय बघेल एवं लूँड्रा विधायक प्रबोध मिंज के साथ मथुरा पहुँचकर घायलों के उचित उपचार की जानकारी लेकर घायलों के परिजनों को हर संभव मदद प्रदान करने के लिए आश्वस्त किया।

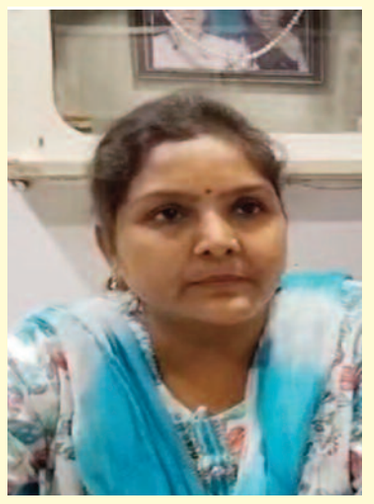

महिला फर्जी डिग्री की आड़ में चला रही थी क्लीनिक,नोटिस जारी

दुर्ग,09 जून 2024(ए)। जिले में प्रभा पटैरिया नाम की महिला डॉक्टर बिना डिग्री के अपना क्लीनिक संचालित कर रही थी। इतना ही नहीं उसने अपनी फर्जी डिग्री के आधार पर कई बड़े निजी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज तक में सेवाएं दी और अभी भी दे रही हैं। इसकी जानकारी होने पर दुर्ग सीएमएचओ ने नर्सिंग होम एक्ट के तहत नोटिस जारी कर 3 दिन के भीतर जवाब मांगा है। दुर्ग जिले के नर्सिंग होम एक्ट के नोडल अधिकारी डॉ. अनिल शुक्ला ने बताया कि उन्हें शिकायत मिली थी कि डॉ. प्रभा पटैरिया बिना वैध डिग्री के रूआबांधा बस्ती भिलाई में आकृति नाम से क्लीनिक का संचालन कर रही हैं। उनके पास किसी भी प्रकार की कोई मेडिकल की ऐसी डिग्री नहीं है, जिससे वो एलोपैथी का उपचार कर सकें। इसकी जानकारी उन्होंने सीएमएचओ दुर्ग जेपी मेश्राम और कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी को दी। इसके बाद उनके निर्देश पर एक टीम का गठिन किया गया।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस पर लगी रोक

» बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने दिया फरमान

रायपुर,09 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में प्राइवेट स्कूलों में मनमानी फीस पर रोक लगाने के लिए बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने नया फरमान जारी किया है। स्कूलों को 4 गुना 8 फीट के बोर्ड लगाकर तय फीस की जानकारी सार्वजनिक करने होगी, साथ ही स्कुल को अपने वेबसाइट पर भी शो करनी होगी।

छत्तीसगढ़ अशासकीय फीस विनियमन और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अनुसार फीस होगी। स्कूलों में तय की गई फीस की सूची का ब्योरा आयोग को देना होगा और तय मानक के अनुसार ही फीस की बढ़ोतरी करनी होगी। आयोग ने सभी कलेक्टरों और जिला फीस समितियों को यह फरमान जारी किया है। आयोग ने पत्र में लिखा है कि तय की गई कक्षावार फीस में प्रबंधन द्वारा मनमाने तरीके से छूट देने और अन्य नाम से फीस लेने का अधिकार नहीं होगा। एडमिशन या बच्चों के शाला ट्रांसफर करने की प्रक्रिया में भी छात्रों और पालकों से मनमाने फीस वसूली न की जाए, इसका भी ध्यान रखा जाए। आयोग की ओर से जारी किए गये पत्र में लिखा है कि स्कूल फीस के अलावा कई नाम से अतिरिक्त कैपिटेशन फीस पालकों से वसूली जा रही है। यह आरटीई अधिनियम की धारा 13 में 10 गुना जुर्माने से दंडनीय अपराध है। फीस विनियमन अधिनियम की धारा 12 में विद्यालय की प्रबंधन समिति के सदस्यों पर भी चार गुना जुर्माने से दंडनीय है। आयोग का कहना है कि संज्ञान में यह आया है कि छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूलों में फीस विनियमन कानून के अनुसार स्कूलों में विद्यालय फीस समिति में जागरूक और निष्पक्ष अभिभावकों को शामिल नहीं करने, आय- व्यय से संबंधित जानकारी सार्वजनिक नहीं करने, और जिला फीस समिति की नियमित बैठक नहीं करने की वजह से प्रथम बार की उपयुक्त फीस का निर्धारण नहीं हो पाया है।

समय से पहले मानसून ने दी छत्तीसगढ़ में दस्तक

» लेकिन बारिश के लिए करना होगा इंतजार,

» विभाग के अलर्ट ने बढ़ा दी टेंशन

» छत्तीसगढ़ में मानसून ने दी दस्तक

» सुकमा के रास्ते पहुंचा मानसून

» रायपुर में देरी से हो सकती है बारिश

» मौसम विभाग ने दिया टेंशन वाला अलर्ट

रायपुर,09 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। राज्य में मानसून ने दस्तक दे दी। शनिवार को सुकमा के रास्ते मानसून ने राज्य में दस्तक दी। सामान्य तौर पर बस्तर में मानसून 10 जून तक आता है लेकिन इस बार दो दिन पहले राज्य में दस्तक दे दी है। हालांकि राजधानी रायपुर में मानसून पहुंचने में देरी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, रायपुर में मानसून लेट हो सकता है क्योंकि मानसून के आगे बढ़ने के लिए सिस्टम अनुकूल नहीं है। वहीं, अगले 24 घंटों में राज्य के कई जिलों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, अभी मानसून बस्तर के निचले जिले सुकमा और बीजापुर पहुंचा है। बाकी जिलों में अभी मानसून की एंट्री नहीं हुई है जिस कारण से प्रदेश में बारिश के हालात नहीं बन रहे हैं। इसे मानसून की सुस्त एंट्री कही जा सकती है। माना जा रहा है कि आने वाले तीन से चार दिनों तक फिलहाल मौसम ऐसा ही रहेगा। फिलहाल राजधानी में गर्मी से राहत मिली है।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ के कई जिलों में फिलहाल बारिश होने की संभावना है। राज्य में अगले 24 घंटों में महासमुंद, गुंडरदेही, मरगलोड और लैलूंगा इलाके में एक सेमी तक की बारिश हो सकती है। वहीं, बस्तर संभाग में पूरी तरह से बारिश नहीं हो रही है।बस्तर संभाग के जगदलपुर में फिलहाल बारिश नहीं हुई है। राजधानी में भी शनिवार को शाम हल्के बादल छाए रहे हैं। बादल छाए रहने के कारण ठंडी हवाएं चल रही हैं। जिस कारण से गर्मी से राहत मिल रही है। शनिवार को रायपुर का अधितकम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियम दर्ज किया गया था वहीं, न्यूनतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियम दर्ज किया गया है।

आज बारिश की संभावनामौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में मानसून ने एंट्री तो कर ली है लेकिन अभी मानसून अनुकूल नहीं है। मानसून सुस्त गति से आगे बढ़ रहा है। विभाग ने बताया कि रविवार को राजधानी रायपुर के कई इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, कई इलाकों में गरज और चमक की संभावना है। इसके साथ ही तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

रेलवे पुलिस ने 16 बच्चियों को किया रेस्क्यू

रायपुर,09 जून 2024 (ए)। रेल सुरक्षा बल राजनांदगांव के अमले ने ऑपरेशन आहट के तहत 16 लड़कियों को स्थानीय सखी सेंटर के सुपुर्द किया. स्टेशन में ट्रेन का इंतजार कर रही लड़कियां पूछताछ करने पर आरपीएफ को संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई, जिसके बाद आरपीएफ ने उनके परिजनों से संपर्क कर उन्हें राजनांदगांव बुलाया है। जानकारी के अनुसार, रेल सुरक्षा बल राजनांदगांव की महिला प्रभारी इंस्पेक्टर तरूणा साहू, शिफ्ट अधिकारी सउनि गिरिजा साहू, महिला आरक्षक ललिता, प्रआ आरएम मिसाल एवं आरक्षक प्रमोद यादव 8 जून को रात लगभग 8.30 बजे प्लेटफॉर्म चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान 16 लड़कियों को एक साथ स्टेशन पर असहज बैठे देख उनसे पूछताछ की। इस पर कुछ ने काम के लिए तमिलनाडु जाने तो कुछ ने बेंगलुरु जाने की बात कही। सभी लड़कियां अलग-अलग जवाब दे रही थी. सभी कवर्धा जिले के अलग-अलग पंचायतों की रहने वाली हैं. 18 से 23 वर्ष के बीच की लड़कियों के संतोषनजक जवाब नहीं दे पाने पर आरपीएफ ने लड़कियों के परिजनों से संपर्क किया. साथ ही राजनांदगांव में पदस्थ महिला संरक्षण आयोग के अधिकारी चंद्रसेन लाडे को भी स्थिति से अवगत कराया गया।

कृत्रिम हार्ट अटैक से बची मरीज की जान

रायपुर,09 जून 2024 (ए)। रायपुर से एक अनोखा केस सामने आया है, जिसमें दिल के मरीज को हार्ट अटैक देकर बचाया गया। राजधानी स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर अस्पताल के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में डॉक्टरों ने मरीज के दिल की नसों में अल्कोहल का इंजेक्शन लगाकर कृत्रिम हार्ट अटैक दिलाकर उसकी जान बचाई। कार्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव और टीम ने हाइपर ट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी की बीमारी से पीड़ित 32 साल के युवक को अल्कोहल सेप्टल एब्लेशन प्रक्रिया अपना कर नई जिंदगी दी है। इस प्रक्रिया में मरीज के दिल की नसों में शुद्ध अल्कोहल के इंजेक्शन लगाकर उसे कृत्रिम रूप से नियंत्रित हार्ट अटैक दिलाया गया, जिससे उसकी जान बचाई जा सकी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)